सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 138 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 1 मार्च 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

झारखंड को सौगातः पीएम मोदी ने किया सिंदरी उर्वरक कारखाने का लोकार्पण, बोले- मोदी की एक और गारंटी पूरी

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को झारखंड में 35,700 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने धनबाद जिले के सिंदरी में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) का 8,900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित उर्वरक संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किया। इस संयंत्र से देश में प्रति वर्ष लगभग 12.7 एलएमटी (लाख मीट्रिक टन) स्वदेशी यूरिया उत्पादन बढ़ेगा जिससे देश के किसानों को लाभ होगा।

गोरखपुर और रामागुंडम में उर्वरक संयंत्रों के कायाकल्प के बाद यह देश में दोबारा चालू होने वाला तीसरा उर्वरक संयंत्र है। प्रधानमंत्री ने गोरखपुर में उर्वरक संयंत्रों को दिसंबर 2021 और रामागुंडम में उर्वरक संयंत्रों को नवंबर 2022 में राष्ट्र को समर्पित किया था। पीएम मोदी ने झारखंड में 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की रेल, बिजली और कोयला परियोजनाओं की भी शुरुआत की। इसमें देवघर-डिब्रूगढ़ ट्रेन सेवा, टाटानगर और बादामपहाड़ के बीच मेमू ट्रेन सेवा (दैनिक) और शिवपुर स्टेशन से लंबी दूरी की मालगाड़ी शामिल है।

इसके बाद उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज यहां सिंदरी उर्वरक कारखाने का लोकार्पण किया गया है। मैंने संकल्प लिया था कि सिंदरी के इस खास कारखाने को जरूर शुरू करवाउंगा। ये मोदी की गारंटी थी और आज ये गारंटी पूरी हुई है। मैं 2018 में इस फर्टिलाइजर प्लांट का शिलान्यास करने आया था। आज सिर्फ सिंदरी कारखाने की ही शुरुआत नहीं हुई है, बल्कि रोजगार के हजारों नए अवसरों की भी शुरुआत हुई है।

विष्णु के गढ़ में जीत को तरसती कांग्रेस

रायगढ़ लोकसभा : साय ने 96 में रचा जीत का चक्रव्यूह, कांग्रेस आज तक भेद नहीं पाई

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ अलग राज्य बनने से पहले ही रायगढ़ को भाजपा का गढ़ बनाने में विष्णुदेव साय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने यहां से 1999 में पहली बार चुनाव लड़ा और जीता। इसके बाद अलग राज्य बना तो लगातार तीन चुनावों में उन्होंने जीत दर्ज की। 2004, 2009 और 2014 के चुनाव को जीतकर साय ने इतिहास रच दिया। वे केन्द्र में मंत्री भी रहे। विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत मिला तो उन्हें राज्य के चौथे मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का अवसर मिला। 1999 में विष्णुदेव साय ने जो चक्रव्यूह तैयार किया, उसे भेदने में कांग्रेस आज तक कामयाब नहीं हो पाई। 1962 में अस्तित्व में आई रायगढ़ सीट में 6 बार कांग्रेस और एक बार जनता पार्टी जीती। वहीं भाजपा को यहां से 7 बार जीत मिली।

अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र में 8 विधानसभा शामिल है, जिसमें जशपुर जिले की 3 विधानसभा और रायगढ़ जिले की 5 विधानसभा शामिल हैं। जशपुर जिले की जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव तो वहीं रायगढ़ जिले की लैलूंगा, धरमजयगढ़, रायगढ़, सारंगढ़, खरसिया विधानसभा क्षेत्र शामिल है। 1962 में पहली बार अस्तित्व में आई इस लोकसभा सीट पर 1962 में ही पहला आम चुनाव हुआ। पहला आम चुनाव उस दौर के संगठन रामराज्य परिषद के विजया भूषण सिंहदेव ने जीता था। फिर 1967, 1971 के चुनाव में कांग्रेस की विजिया सिंह, उम्मेद सिंह राठिया विजयी पताका फहराने में कामयाब रहे। 1977 के आम चुनाव में जनता पार्टी के नरहरि सिंह साय, 1980-1984 के दो आम चुनाव में पुष्पा देवी सिंह यहां से सांसद चुनी गईं। 1989 में भाजपा के नंदकुमार साय, 1991 में कांग्रेस की पुष्पा सिंह जीतीं। 1996 में भाजपा के नंदकुमार साय और 1998 में कांग्रेस के अजीत जोगी ने चुनाव जीता। जोगी का यह पहला चुनाव था, जिसके बाद उन्होंने सीधे दिल्ली में एंट्री मारी।

भाजपा ने नहीं दिया कांग्रेस को मौका

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अब तक लोकसभा के लिए हुए 4 आम चुनाव में रायगढ़ संसदीय सीट पर भाजपा का कब्जा है। इस सीट पर पृथक राज्य बनने के बाद 2004 में पहला लोकसभा चुनाव हुआ, जिसमें विष्णुदेव साय दूसरी बार सांसद निर्वाचित हुए। उसके बाद 2009 और 2014 में भी साय लगातार जीते। जबकि इससे पहले वे 1999 में भी जीत दर्ज करा चुके थे। साय ने रायगढ़ को भाजपा का ऐसा गढ़ बनाया, जिसे ध्वस्त करने की कांग्रेस की तमाम कोशिशें अब तक कामयाब नहीं हो पाई है। कांग्रेस को इस सीट पर जीत का बेसब्री से इंतजार है। 2019 में यहां से पार्टी ने गोमती साय को टिकट दिया था। बाद में भाजपा ने उन्हें पत्थलगांव से विधानसभा का चुनाव भी लड़ा और जीता। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी गोमती साय को टिकट का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है।

कांग्रेस का हर दाँव हुआ फेल

2004 में जीत के बाद पार्टी ने 2009 में एक बार फिर विष्णुदेव साय पर दांव लगाया। इस बार उनका मुकाबला कांग्रेस के हृदयराम राठिया से था। दोनों के बीच हुए सीधे मुकाबले में साय को 47.44 प्रतिशत वोट बैंक के साथ 4 लाख 43 हजार 948 वोट मिले और वो 55,848 वोट से चुनाव जीत गए थे। इसी तरह 2014 के आम चुनाव में फिर से भाजपा की ओर से विष्णुदेव साय प्रत्याशी बनाए गए और इस बार उनका मुकाबला कांग्रेस की आरती सिंह से हुआ। इस चुनाव में भी विष्णुदेव साय ने 53.16 प्रतिशत वोट शेयर के साथ कांग्रेस की आरती सिंह को 2 लाख 16 हज़ार 750 वोट के बड़े अंतर से हराया। अब बारी 2019 के आम चुनाव की थी। इस बार भाजपा ने विष्णुदेव साय के स्थान पर पहली बार गोमती साय को अपना प्रत्याशी बनाया, जिनका मुकाबला कांग्रेस के लालजीत सिंह राठिया से था। इस चुनाव में भाजपा की गोमती साय ने 48.76 प्रतिशत वोट शेयर के साथ कांग्रेस प्रत्याशी को 66 हज़ार 27 वोट के बड़े अंतर से हराया। इस तरह छत्तीसगढ़ बनने के बाद से अब तक कांग्रेस ने रायगढ़ सीट से जीत का स्वाद ही नहीं चखा और भाजपा लगाकर अजेय पारी खेल रही है।

पहले चुनाव में चुने गए दो सांसद

आजादी के बाद वर्ष 1952 में जब लोकसभा क्षेत्र का गठन किया गया तब सरगुजा और रायगढ़ को एक संसदीय क्षेत्र बनाया गया था। पहले आम चुनाव में यहां से दो सांसद निर्वाचित हुए। सामान्य वर्ग और अनुसूचित जनजाति वर्ग से सांसद का निर्वाचन हुआ। सामान्य वर्ग से चंडिकेश्वर शरण सिंहदेव व अनुसूचित जनजाति वर्ग से बाबूनाथ सिंह सांसद निर्वाचित हुए। दो सांसदों की यह सीट पांच साल ही रही। इसके बाद नए सिरे से लोकसभा क्षेत्र का परिसीमन हुआ और रायगढ़ व सरगुजा को अलग-अलग संसदीय क्षेत्र का दर्जा मिला। वैसे, रायगढ़ की ख्याति इसकी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के कारण है। यहां कभी अंग्रेजों का प्रत्यक्ष शासन नहीं रहा। राजाओं के माध्यम से अंग्रेज यहां राज करते रहे। महाराज मदन सिंह को रायगढ़ का संस्थापक माना जाता है। राजा चक्रधर सिंह स्वतंत्र रायगढ़ के अंतिम राजा हुए। आज़ादी के बाद रायगढ़ पहला राज्य था जो भारतीय संघ में शामिल हुआ।

8 विधायक जीते पर लोकसभा में मिली मात

2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र की सभी आठ विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। आठ सीटों पर कांग्रेस के विधायक काबिज थे। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा की गोमती साय से मुकाबला के लिए धरमजयगढ़ के विधायक लालजीत सिंह राठिया को चुनाव मैदान में उतारा। लेकिन विधानसभा की तमाम सीटें जीतने के बाद भी कांग्रेस इस सीट को जीतने का ख्वाब पूरा नहीं कर पाई। स्थितियां इतनी बदतर रही कि विधायक राठिया सभी विधानसभा सीटों में पिछड़ने के साथ ही अपनी सीट धरमजयगढ़ से भी पिछड़ गए। कांग्रेस की गोमती साय को सभी 8 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली। दरअसल, 2019 के चुनाव में भाजपा ने राज्य के अपने सभी सांसदों को ड्राप कर नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा था। इसी के चलते 4 बार के सांसद विष्णुदेव साय को भी टिकट नहीं मिली। पार्टी ने उनकी जगह गोमती साय को उतारा था। हालांकि रायगढ़ में जीत का सिलसिला फिर भी जारी रहा।

2 सीएम देने वाला क्षेत्र

रायगढ़ संसदीय क्षेत्र ने छत्तीसगढ़ को दो मुख्यमंत्री दिए हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश में अजीत जोगी का राजनीतिक पदार्पण रायगढ़ से ही हुआ था। उन्होंने यहीं से अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत 1998 में की थी। यहां से जीत के बाद वे दिल्ली पहुंचे और फिर पीछे मुड़ नहीं देखा। आगे चलकर वे छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री बने। वहीं लगातार 4 लोकसभा चुनाव जीतने वाले विष्णुदेव साय वर्तमान में राज्य के मुख्यमंत्री हैं। रायगढ़ संसदीय सीट के नाम एक और कीर्तिमान दर्ज है। राज परिवार के पांच सदस्यों ने यहां से प्रतिनिधित्व किया है। जशपुर राजपरिवार से ताल्लुक रखने वाले विजयभूषण सिंहदेव, सारंगढ़ राजपरिवार से रजनीदेवी, राजा नरेशचंद्र सिंह व पुष्पा देवी सिंह व सरगुजा राजपरिवार से चंडिकेश्वरशरण सिंहदेव यहां से सांसद बने। रायगढ़ लोकसभा सीट में ग्रामीण आबादी का प्रतिशत 85.79 है। कुल आबादी में आदिवासियों का हिस्सा 44 फीसदी है जबकि अनुसूचित जाति की आबादी 11.70 फीसदी है।

इन दावेदारों की है चर्चा

चर्चा है कि इस बार भी भाजपा पिछले लोकसभा वाला प्रयोग दोहरा सकती है। पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी ने सभी नए प्रत्याशी दिए थे। इस बार भी ज्यादातर नए प्रत्याशियों पर पार्टी दांव लगा सकती है। हालांकि 3 से 4 सांसदों के टिकट बरकरार रहने की खबरें आ रही है। वहीं कई पुराने चेहरों को नए क्षेत्रों से लड़ाया जा सकता है। रायगढ़ सीट पर भाजपा से 2019 में सांसद रही गोमती साय के साथ ही से शांता साय, रवि भगत, सुनीति राठिया, सत्यानंद राठिया, देवेंद्र प्रताप सिंह, कौशल्या देवी सिंह व सुषमा खलखो के नाम की चर्चा है। वहीं कांग्रेस की बात करें तो दयाराम धुर्वे, जयमाला सिंह, मेनका सिंह, लालजीत सिंह राठिया प्रत्याशी हो सकते हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रायगढ़ लोकसभा के अंदर 8 विधानसभा शामिल है। इस सीट में ग्रामीण आबादी का प्रतिशत 85.79 है। कुल आबादी में आदिवासियों का हिस्सा 44 फीसदी है जबकि अनुसूचित जाति की आबादी 11.70 फीसदी है।

155 सीटों पर मंथन पूरा, जल्द जारी होगी भाजपा की पहली लिस्ट

- दिल्ली में गुरुवार देर रात तक चली भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट आज-कल में जारी कर सकती है। पार्टी सूत्रों के अनुसार लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित करीब 155 लोगों के नाम शामिल होने की चर्चा है। पीएम मोदी को वाराणसी, अमित शाह को गांधीनगर, राजनाथ सिंह को लखनऊ, स्मृति ईरानी को अमेठी, धर्मेंद्र प्रधान को ओडिशा के संबलपुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया को ग्वालियर या गुना-शिवपुरी, शिवराज सिंह चौहान को भोपाल या विदिशा और संबित पात्रा को ओडिशा के पुरी से टिकट दिया जा सकता है। दिल्ली में गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव कमेटी की बैठक हुई थी। इसमें 17 राज्यों की 155 लोकसभा सीटों पर देर रात मंथन हुआ। इस बैठक में पीएम मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह के अलावा केन्द्र शासित राज्यों के सीएम भी मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम साव ने कहा- छत्तीसगढ़ की 11 सीटें जीतेंगे

भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में सीएम विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम अरुण साव समेत कई नेता दिल्ली पहुंचे थे। दिल्ली से वापस लौटने के बाद राजधानी रायपुर में डिप्टी सीएम साव ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि प्रत्याशियों की सूची कभी भी आ सकती है।

उन्होंने कहा कि सभी संभावित प्रत्याशियों के बारे में विस्तार से केंद्रीय चुनाव समिति के साथ चर्चा हुई है। बहुत जल्दी प्रत्याशियों की सूची केंद्रीय चुनाव समिति विचार करने के बाद घोषित करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी योग्य और जीतने वाले चेहरे को चुनाव में उतरेगी। डिप्टी सीएम साव ने कहा कि जिस तरह से देश का वातावरण है। छत्तीसगढ़ का वातावरण है और छत्तीसगढ़ की जनता जिस प्रकार नरेंद्र मोदी की योजनाओं से प्रभावित हैं। उनके कामों से प्रभावित हैं। छत्तीसगढ़ की 11 सीटें प्रदेश की जनता नरेंद्र मोदी की झोली में डालेगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा जीतेगी।

दुर्ग से विजय बघेल और कोरबा से सरोज पाण्डेय!

बताया जा रहा है कि केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में छत्तीसगढ़ की 11 सीटों पर भी मंथन हो गया। यहां की सीटों पर भी जल्द ही प्रत्याशियों की घोषणा हो सकती है।सूत्रों के अनुसार दुर्ग से मौजूदा सांसद विजय बघेल की टिकट तय है। वहीं हाल ही में राज्यसभा का कार्यकाल पूरा करने वाली सरोज पांडे कोरबा से चुनाव लड़ सकती हैं। कोरबा लोकसभा सीट से सरोज पाण्डेय के अलावा विकास महतो का नाम भी सामने आ रहा है। पार्टी सूत्रों की माने तो रायपुर लोकसभा से लक्ष्मी वर्मा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, केदारनाथ गुप्ता दावेदार हैं। रायगढ़ से आरपी साय, सुषमा खलको, गेंदलाल कंवर व रजनी राठिया दावेदारों में है। जांजगीर से गुरुदयाल पाटले, कमलेश जांगड़े, वेदराम मनहरे, गुहाराम अजगले में से किसी एक को टिकट दिया जा सकता है। बिलासपुर से अमर अग्रवाल, रजनीश सिंह, लखनलाल साहू का नाम चर्चा में है। इसके अलावा सरगुजा से कमलभान सिंह, रामसेवक पैकरा, विजय नाथ सिंह, रामकिसुन सिंह के नाम सामने आ रहे हैं। वहीं महासमुंद से चंदूलाल साहू व चुन्नीलाल साहू में से किसी एक को टिकट दिया जा सकता है। कांकेर से भोजराज नाग, विकास मरकाम, या मोहन मंडावी और बस्तर से रूपसिंह मंडावी, सुभाऊराम कश्यप या महेश गागड़ा में से किसी एक को मिल सकता है।

महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन की सीट शेयरिंग फाइनल

48 लोकसभा सीटों में से उद्धव 20, कांग्रेस 18 और शरद पवार 10 पर उतारेंगे प्रत्याशी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन की तीन पार्टियों के बीच 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग पर बात बन गई है। राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से उद्धव ठाकरे की शिवसेना 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस को 18 और शरद पवार की एनसीपी को 10 सीटें मिली हैं। तीनों पार्टियों महाविकास अघाड़ी अलायंस के तहत महाराष्ट्र में एक साथ हैं।

बताया जा रहा है कि वंचित बहुजन अगाड़ी को शिवसेना (उद्धव गुट) के हिस्से से दो सीटें मिलेंगी। वंचित बहुजन अगाड़ी ने पहले पांच सीटों की मांग की थी। इसके अलावा निर्दलीय राजू शेट्टी को शरद पवार की पार्टी का समर्थन प्राप्त होगा। सीट शेयरिंग को लेकर एक-दो दिन में आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

सूत्रों का कहना है कि शिवसेना उद्धव गुट मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से चार पर चुनाव लड़ेगी, जिनमें से एक- मुंबई नॉर्थ ईस्ट वंचित बहुजन अगाड़ी को दी जा सकती है। मुंबई की छह लोकसभा सीटों पर कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के बीच सहमति नहीं बन पा रही थी। इस सिलसिले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 22 फरवरी को उद्धव ठाकरे से बातचीत भी की थी। राहुल ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बीच उद्धव को फोन किया और करीब एक घंटे बात की थी। कांग्रेस मुंबई की 6 लोकसभा सीटों में से तीन पर चुनाव लड़ना चाहती थी।

इसमें मुंबई साउथ सेंट्रल, मुंबई नॉर्थ सेंट्रल और मुंबई नॉर्थ वेस्ट शामिल है। हालांकि, उद्धव ने मुंबई की 4 सीट- मुंबई साउथ, मुंबई नॉर्थ वेस्ट, मुंबई नॉर्थ ईस्ट और मुंबई साउथ सेंट्रल अपने लिए मांगी थी। दोनों पार्टियों के बीच किन-किन सीटों पर सहमति बनी है, यह अभी स्पष्ट नहीं सका है। शिवसेना (तब अविभाजित थी) ने 2019 के चुनावों में 48 में से 22 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से 18 पर जीत हासिल की, जिसमें मुंबई की तीन सीटें शामिल थीं।

इंसान नहीं, तेंदुआ हैं हम, हमें बख्श दो

श्रीकंचनपथ

एक बार यूं हुआ कि हम जंगल में भटक गए। चलते-चलते धुंधलका छाने लगा। तभी पेड़ की ओट से निकलकर एक तेंदुआ सामने आ गया। पहले तो डर लगा पर फिर तेंदुए के हाव-भाव से समझ में आ गया कि वह हमला करने के मूड में नहीं है। तेंदुआ धीरे-धीरे पास आने लगा, मानो कह रहा हो कि डर कर भागना मत, हपट कर गिर जाओगे, खामख्वाह चोट लग जाएगी। उसकी नजरों में वशीकरण जैसे गुण थे। पैर जमीन से चिपक गए। तेंदुआ पास आकर बैठ गया, मानो कह रहा हो कि निश्चिंत रहो, बैठ जाओ। हमें नहीं पता था कि तेंदुआ भी अखबार पढ़ता है। तेंदुए ने कहा, इस प्रदेश में हमारी संख्या कम हो रही है। सरकार कहती है, उसने हमारी संख्या बढ़ाने के लिए करोड़ों खर्च कर दिए। पर हमें तो पैसा कहीं दिखा नहीं। न तो मुफ्त का राशन मिला, न उज्जवला गैस मिली। पेंशन हमें कोई देता नहीं। विस्थापित होते-होते हम थक चुके हैं। अब न तो जोड़ा बनाने की इच्छा है और न ही प्रजनन करने की क्षमता बची है। ईश्वर ने हमें सुन्दर चितीदार खाल दी थी। पर यह खाल भी अब हमारे किसी काम की न रही। यह खाल तभी काम आती है जब जंगल घने हों। हमारे खालों का यह रंग छिपने में हमारी मदद करता है। पर यह तब की बात थी जब हमें शिकार करना होता था या शिकारी से बचना होता था। अब न तो शिकार बचे हैं और न शिकारी। भोजन की तलाश में गांव जाते हैं तो पकड़ लिये जाते हैं। फिर से हमें लाकर यहीं जंगलों में पटक दिया जाता है। पेड़ों के इन झुण्डों को लोग आज भी जंगल कहते हैं, पर हमारी नजर में ये जंगल नहीं है। जंगल का मतलब होता है वहां तरह के तरह के जंतुओं का वास होगा। कोई घास-पत्ता खाएगा तो कोई कंद मूल। कोई फल और कोमल पत्ते चखेगा। हमारा जीवन ऐसे ही तृण और पर्णभोजी जानवरों पर निर्भर है। यदि ये नहीं रहे तो हमारा भूखे मरना तय है। इंसान को समझ में ही नहीं आता कि विकास का मतलब, खदानें, सड़कें और बसाहटें नहीं हैं। प्रकृति के साथ जीव-जंतुओं का सहवास ही उसे स्वस्थ, संतुष्ट और सुरक्षित रख सकता है। हम सभी प्रकृति का हिस्सा हैं। छत्तीसगढ़ की समृद्धि उसकी खदानों में छिपी है। पर खदानें तभी कुछ दे सकती हैं जब उनपर के जंगलों का सफाया हो जाए। होशियार इंसान अपने लिये पिंजरे में मुर्गियां पैदा कर रहा है, बाड़े में बकरियां पाल रहा है। जंगल काटकर खेत बना रहा है। पेड़ों के झुण्ड उगाकर उसे जंगल बता रहा है। फिर हमारी घटती संख्या पर घड़ियाली आंसू भी बहा रहा है। वैसे भी इंसानों को हमारी जरूरत क्या है? कुछ समय बाद धरती पर केवल इंसान और उसके उगाए जंगल रह जाएंगे। फिर वह खुद अपने आविष्कारों की भेंट चढ़ जाएगा।

संपादकीय

बागियों पर कार्रवाई

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया द्वारा दलबदल कानून के तहत सत्तारूढ़ कांग्रेस के छह बागी विधायकों की सदस्यता रद्द किए जाने के फैसले ने इस कानून की प्रासंगिकता को एक बार फिर रेखांकित किया है। गौरतलब है, ये विधायक पार्टी व्हिप के खिलाफ वोट करने के दोषी करार पाए गए थे। स्पीकर के इस फैसले से राज्य सरकार की स्थिरता पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा, शायद इसीलिए कांग्रेस ने इतना सख्त फैसला भी किया है। दरअसल, बहुमत में रहते हुए राज्यसभा चुनाव में मिली शर्मनाक पराजय से पार्टी की भारी किरकिरी तो हुई ही, राज्य की सुक्खू सरकार का भविष्य भी संकट में दिखने लगा था, क्योंकि सरकार के एक मंत्री विक्रमादित्य सिंह का असंतोष भी सामने आ गया था। ऐसे में, लाजिम ही पार्टी की पहली प्राथमिकता सरकार की स्थिरता सुनिश्चित करने की थी। डीके शिवकुमार और भूपेंद्र हुडा जैसे अनुभवी नेताओं को उतारने से ही साफ हो गया था कि शिमला में हालात ठीक नहीं हैं। ऐसे में, सियायी जुगत से एक तरफ बजट पारित कराकर सरकार के लिए कुछ वक्त जुटाया गया, तो नाराज वीरभद्र परिवार का भी मान-मनुहार किया गया। उसके बाद बागियों के खिलाफ कार्रवाई की रणनीति अपनाई गई। वैसे तो आम चुनाव के आस-पास विधायकों, सांसदों और नेताओं के पाला बदलने की एक पुरानी परंपरा रही है। मगर संसदीय लोकतंत्र में विधायी पदों पर बैठे लोगों को यह छूट कतई नहीं मिलनी चाहिए कि वे अपने राजनीतिक हितों या दूसरे स्वार्थों को साधने के लिए जनादेश से खिलवाड़ करें। ये विधायक जिस पार्टी के चुनाव-चिह्न पर विधानसभा पहुंचे थे, उसके साथ विश्वासघात करने से पहले इन्होंने क्या अपने मतदाताओं को भरोसे में लिया था? यह सिर्फ पार्टी ही नहीं, मतदाताओं के साथ भी धोखा है। दुनिया में कोई भी लोकतंत्र या राजनीतिक दल अनुशासन के बगैर कामयाब नहीं हो सकता। इसलिए, कांग्रेस की सख्ती समझी जा सकती है। पार्टी ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव से भी पाला बदलने वाले अपने दो विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग करने में जो तत्परता दिखाई है, वह भी एक संकेत है कि अनुशासनहीनता को लेकर अब वह अधिक गंभीर है। हिमाचल के बागियों के आचरण को एक तरफ रख दें, तो प्रदेश की पार्टी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने जो बातें कही हैं, वे कांग्रेस नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती हैं। बकौल प्रतिभा, आलाकमान तक पार्टी विधायकों ने महीनों पहले अपनी कुछ शिकायतें रखीं थीं, मगर उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। यह दौर जैसी आक्रामक राजनीति का है, इसमें कोई भी प्रांतीय व केंद्रीय नेतृत्व अपने प्रतिनिधियों की शिकायतों को नजरंदाज करके जोखिम ही उठाएगा। मगर इतनी चुनावी पराजयों के बाद भी यदि कांग्रेस नेतृत्व अब तक ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाया है, जहां से विधायक और वरिष्ठ नेता संतोषजनक समाधान पा सकें, तो हिमाचल जैसे संकट कब तक टल सकेंगे? इसमें कोई दोराय नहीं कि इन दिनों हमारे राजनीतिक वर्ग में अवसरवादिता जिस चरम पर है, उसमें किसी भी प्रदेश में प्रतिपक्षी दलों के लिए अपने किले को बचाकर रखना खासी चुनौतीपूर्ण हो चला है। मगर इसी में परिमार्जन के भी बिंदु हैं। पार्टियां फौरी चुनावी लाभ के लिए प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं की उपेक्षा करके दूसरे दलों के लोगों को जिस तरह नवाजने लगी हैं, उसमें कुछ विधायक या सांसद लालच के शिकार बन रहे हैं, तो विलाप करने के बजाय दलों को आत्मचिंतन करना चाहिए।

> “ हिमाचल के बागियों के आचरण को एक तरफ रख दें, तो प्रदेश की पार्टी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने जो बातें कही हैं, वे कांग्रेस नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती हैं। बकौल प्रतिभा, आलाकमान तक पार्टी विधायकों ने महीनों पहले अपनी कुछ शिकायतें रखीं थीं, मगर उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

कानून का भय ही नहीं!

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही इस वजह से शुरू की है कि इस कंपनी ने उसके पहले के आदेश का पालन नहीं किया। कोर्ट ने अपनी दवाओं के बारे में मीडिया में भ्रामक विज्ञापन देने से उसे मना किया था। लेकिन कंपनी ने कोर्ट में हलफनामा देने के बावजूद उसकी परवाह नहीं की। जैसाकि कि दो जजों की पीठ ने कहा, यह कंपनी अपने इश्तहार में औषधि एवं जादू-टोना उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम-1954 का उल्लंघन कर रही है। ऐसा खुलेआम चल रहा है और केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। न्यायालय ने इस पर आक्रोश जताया। आयुष मंत्रालय से कहा- सारे देश की आंख में धूल झोंकी गई है। और आपने अपनी आंख बंद कर रखी है। दो साल से आप इस महत्त्वपूर्ण घटना (यानी न्यायिक आदेश) का इंतजार कर रहे हैं, जबकि औषधि कानून से खुद यह स्पष्ट है कि ऐसे विज्ञापन प्रतिबंधित हैं। यह मामला इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सुप्रीम कोर्ट ले गया है।

अब एक बार फिर से कोर्ट ने प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में ऐसे विज्ञापनों के प्रकाशन या प्रसारण पर रोक लगाने को कहा है। मगर इस क्रम में यह विचारणीय है कि आखिर देश में कानून और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का यह हाल क्यों हो गया है कि एक कंपनी उसकी तनिक परवाह नहीं करती? क्या इसका कारण गुजरे वर्षों में हुई बड़ी परिघटनाएं नहीं हैं, जिनमें खुद सत्ता-तंत्र के ऊंचे स्तरों पर बैठे लोगों के संरक्षण में कानून के राज की धज्जियां उड़ाई गई हैं? जब एक स्तर पर ऐसी घटना होती है और सरकार से लेकर न्यायपालिका तक उसकी परवाह नहीं करतीं, तो फिर सबको यही संदेश जाता है कि कानून सबके लिए समान नहीं है, ना ही यह सबसे ऊपर है। पतंजलि आयुर्वेद जैसी कंपनियां धन और सत्ता-तंत्र तक पहुंच के लिहाज से प्रभावशाली मानी जाती हैं। ऐसे में अगर उसके अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनादर किया, तो उसे आज के व्यापक संदर्भ में रखकर ही देखा जाएगा। उस संदर्भ में जिसमें रसूखदार लोग खुद को कानून से ऊपर समझने लगे हैं।

दांव-पेच और जोड़-तोड़

बात नई नहीं है, लेकिन अब बहुत बदरूप ढंग ले चुकी है। अक्सर राज्यसभा चुनावों के दौरान इसका नंगा नाच देखने को मिलता है। इस दौरान की खरीद-फरोख्त को पार्टियों ने अपनी शक्ति और सियासी कौशल के प्रदर्शन का प्रतीक बना लिया है। अब तो यह हाल है कि जो इसमें ज्यादा कारगर होता है, मीडिया और विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग भी उससे मोहित होकर उसका गुणगान करने लगता है। चूंकि खेला करने की सियासत से अधिकांश पार्टियों को गुरेज नहीं रह गया है, इसलिए इस हमाम में सभी नंगे नजर आते हैं। मसलन, मंगलवार को राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के समय हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपने इस कौशल का परिचय दिया, तो कर्नाटक में कांग्रेस इसमें भारी पड़ी। ज्यादा वक्त नहीं गुजरा है, जब बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने खेला कर दिखाने का एलान किया था, हालांकि असल वक्त आने पर खुद उनकी पार्टी के साथ खेला हो गया। बहरहाल, जब कोई चलन इतना बेपर्द रूप ले चुका हो, तो यह जरूरी हो जाता है कि उसे संचालित करने वाली परदे के पीछे की परिघटना को समझने की कोशिश की जाए। तो अगर हम गौर करें, तो यह साफ होने में देर नहीं लगती कि जिस लोकतंत्र पर हम गर्व करते हैं, वह धीरे-धीरे धनिकतंत्र या अभिजात्य-तंत्र में तब्दील हो चुका है। जो राजनीतिक पार्टियां हैं, वे असल में देश के छोटे से प्रभु वर्ग के हितों का प्रतिनिधित्व करने लगी हैं। अगर गौर से देखें, तो यह साफ होगा कि इन दलों के बीच होड़ प्रभु वर्ग का भरोसा हासिल करने की होड़ लगी हुई है। फिलहाल यह भरोसा पार्टियों की चुनाव जीत सकने की क्षमता के आधार पर मिलता है।

> “ अयोध्यावासी सामान्य-जन के लिए यह एक कौतूहल का विषय था कि कैसे 4 माह में अयोध्या नगरी का स्वरूप सहसा परिवर्तित हो गया। भक्त-जन, पूज्य साधु संत और अनेक महानुभावों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण विषय था, जो कि स्थानीय प्रशासन, पुलिस और अन्य सुरक्षा दलों के बिना सम्भव नहीं था। उत्तर प्रदेश और अयोध्या पुलिस के सहयोग पूर्ण, मित्रवत् व्यवहार से सभी प्रभावित हुए।

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह- एक नए युग का ऐतिहासिक शुभारम्भ

रामलाल

22 जनवरी 2024 को, अयोध्या की प्राचीन नगरी में एकता, श्रद्धा, भक्ति और समरसता का अविस्मरणीय संगम देखा गया। जहां देश के प्रत्येक कोने से, भिन्न भिन्न पृष्ठभूमियों से, सहस्त्रों राम-भक्त भव्य राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनने के लिए एकत्र हुए। श्री रामलला के आगमन के नाद से भारत वर्ष में ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण विश्व में एक नवोत्साह की लहर का संचार हुआ।

भारत के इतिहास में इस तरह का भव्य आयोजन कदाचित ही हुआ होगा, जिसमें सूक्ष्म स्तरीय योजना एवं वृहद् स्तरीय समायोजन का अनोखा मेल देखने को मिला। अयोध्या में भारत और सनातन सभ्यता की प्रत्येक ध्वनि, प्रत्येक भावना और प्रत्येक परम्परा को प्रभु श्रीराम के छत्र में प्रतिछाया मिली। लक्षद्वीप और अंडमान के एकांत द्वीपों से लद्दाख के सुदूर पर्वतों तक, मिज़ोरम एवं नागभूमि के हरित वनों से लेकर मरुभूमि की रेत तक, भारत के 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश इस महा-आयोजन के साक्षी बने और भारत की सभी भाषाओं ने कहा की 'राम सभी के हैं।

सितम्बर, 2023 से ही निमंत्रितों की सूची बनाने से लेकर उनको बुलाने की व्यवस्था का चिंतन प्रारम्भ हो गया था सभी को निमंत्रण देने का क्रम डिजिटल पत्राचार से प्रारम्भ हुआ, जिसके बाद सभी निमंत्रितों को राष्ट्र के सुदूर क्षेत्रों में जाकर भी व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण दिए गए। अंततः सभी निमंत्रितों को एक व्यक्तिगत कोड दिया गया। कार्यक्रम का स्वरूप पूर्णतयः धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक रखा गया। इस हेतु सभी राष्ट्रीय और प्रांतीय दालों के राष्ट्रीय अध्यक्षों और गृह प्रदेश के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त किसी केंद्रीय मंत्री अथवा मुख्य मंत्री को निमंत्रण नहीं दिया गया। उस दिन आमंत्रित विशिष्ठ अतिथियों में यह भी एक चर्चा का विषय था।

आमंत्रित महानुभावों में 10 रुपए से लेकर करोड़ों तक का दान करने वाले सभी दान-दाता वर्गों का प्रतिनिधित्व था, राष्ट्र और सनातन सभ्यता के विभिन्न उद्गम स्थलों से निकलने वाली 131 प्रमुख और 36 जनजातीय, नवीन एवं प्राचीन धार्मिक परम्पराओं का प्रतिनिधित्व था। इनमे सभी अखाड़े, कबीर पंथी, रैदासी, निरंकरी, नामधारी, निहंग, आर्य समाज, सिंधी, निम्बार्क, पारसी धर्मगुरु, बौद्ध, लिंगायत, रामकृष्ण मिशन, सत्राधिकर, जैन, बंजारा समाज, मैतेई, चकमा, गोरखा, ख़ासी, रामनामी आदि प्रमुख परम्पराएं सम्मिलित थी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति, घुमंतू समाज के प्रमुख जनों का भी प्रतिनिधित्व था। विभिन्न मत-पंथ जैसे इस्लाम, ईसाई, पारसी का भी यहां प्रतिनिधित्व था। 1949 में रामलला के पक्ष में निर्णय लेने वाले ज़िला न्यायाधीश नय्यर के परिवार के साथ साथ तत्कालीन Duty Constable अब्दुल बरकत, जिन्होंने गवाही दी थी, उनके परिवार को भी आमंत्रित किया गया था। रामलला के विरुद्ध मुकदमा लड़ने वाले परिवार के साथ तत्कालीन अधिकारियों के परिवारों को भी निमंत्रण दिया गया था। रामजन्मभूमि आंदोलन का नेतृत्व करने वाले और इस आंदोलन में बलिदान हुए भक्तों के परिवार के सदस्य, रामजन्मभूमि की न्यायिक प्रक्रिया में सहभागी अधिवक्ता-गण भी इस आयोजन में सम्मिलित हुए। भारत की माननीया राष्ट्रपति और माननीय उप-राष्ट्रपति के साथ पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रधान-मंत्री भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित थे। भारत की सुरक्षा में तत्पर तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त सेनाध्यक्ष और परमवीर चक्र विजेता भी यहां थे और भारत को चंद्रमा तक ले जाने वाले इसरो के वैज्ञानिकों से लेकर भारतीय कोविड-वैक्सीन बनाने वाले वैज्ञानिक भी यहां थे। उच्चतम न्यायालय के तीन पूर्व मुख्य न्यायाधीश सहित अनेक पूर्व न्यायाधीश, सेवानिवृत्त प्रशासनिक पुलिस एवं अन्य अधिकारी, विभिन्न देशों में रहे भारत के राजदूतों से लेकर बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, नोबेल पुरस्कार, भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री और मैग्सेसे पुरस्कार के साथ साथ साहित्य अकैडमी पुरस्कार से सम्मानित महानुभाव भी सम्मिलित हुए। प्रख्यात अधिवक्ता, चिकित्सक, C, समाचार पत्रों और TV चैनल्स के संचालक-सम्पादक, प्रख्यात सोशल-मीडिया इंफ्ल्युएंसर्स आदि के साथ साथ देश के बड़े औद्योगिक परिवार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। भारत के प्रमुख राज परिवारों के सदस्यों से लेकर अनेक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी, चित्रकारी, शिल्पकारी, गायन, लेखन-साहित्य, वादन, नृत्यकला आदि ललित कलाओं के कलाकार, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, बंगाली, ओडिया, असमिया, भोजपुरी, पंजाबी एवं हरियाणवी फिल्म उद्योग की अनेक हस्तियां भी इस आयोजन में सम्मिलित हुई। 53 देशों से आये 150 प्रतिनिधि भी इस समारोह में सम्मिलित हुए। मुख्य पूजा में 15 यजमान बैठे थे, जिनमे सभी जातियों-वर्गों (सिख, जैन, नवबौद्ध, निषाद समाज, वाल्मीकि समाज, जनजाति समाज, घुमंतू जातियां आदि) और भारत की सभी दिशाओं (उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, उत्तर-पूर्व) से आए व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व था। इन सभी की मंच पर ही बैठने की व्यवस्था थी। देश का पोषण एवं विकास करने वाले किसान और मज़दूर बंधुओं के साथ सहकारिता और ग्राहक संगठनों के प्रतिनिधि भी यहाँ उपस्थित थे। L&T व टाटा समूह के अधिकारी, अभियंता और श्रमिक भी यहां उपस्थित थे। जिन श्रमिकों ने प्रभु श्री राम के मंदिर के निर्माण को आकार दिया, प्रधानमंत्री ने स्वयं उन पर पुष्प-वर्षा करके उनका अभिनंदन किया। संघ और विश्व हिंदू परिषद के अनेक प्रबंधक कार्यकर्ताओं से लेकर संघ के पूजनीय सरसंघचालक मोहन भागवत और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी ने भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री रामलला प्रतिष्ठित हुए हैं तो सभी देवी-देवताओं ने भी उपस्थित होकर अपना आशीर्वाद अवश्य ही दिया होगा।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आग्रह पर जहां विश्व हिंदू परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ता दिन-रात लगे थे, वहीं ट्रस्ट के ही आग्रह पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व अन्य कई स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों के अनेक कार्यकर्ता इस आयोजन की व्यवस्था में थे। उनके प्रबंधन के अनुभव का लाभ सूक्ष्म दृष्टि से व्यवस्था के चिंतन में हुआ। जिसका अनुभव वहां आए प्रत्येक रामभक्त को हो रहा था। चाहे स्वागत हो, चाहे बैटरी चालित वाहन, चाहे व्हील चेयर की व्यवस्था हो, चाहे पदवेश उतारने की व्यवस्था। सभी के जूते स्वयमसेवी संस्था के प्रमुख लोग अपने हाथों से उतार कर रख रहे थे और लौटने पर पहना भी रहे थे। लघुशंकलयों के बाहर भी चप्पलों की व्यवस्था थी। सभी कुछ सूक्ष्म चिंतन करके तैयार किया गया था। अयोध्या के नागरिक और प्रशासन भी ट्रस्ट के साथ समन्वय करते हुए अयोध्या को संवारने में लग गए। अयोध्यावासी सामान्य-जन के लिए यह एक कौतूहल का विषय था कि कैसे 4 माह में अयोध्या नगरी का स्वरूप सहसा परिवर्तित हो गया। भक्त-जन, पूज्य साधु संत और अनेक महानुभावों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण विषय था, जो कि स्थानीय प्रशासन, पुलिस और अन्य सुरक्षा दलों के बिना सम्भव नहीं था। उत्तर प्रदेश और अयोध्या पुलिस के सहयोग पूर्ण, मित्रवत् व्यवहार से सभी प्रभावित हुए। उसी का परिणाम था कि इतना बड़ा कार्य सरलता से निर्विघ्न व यशश्विता के साथ सम्पन्न हुआ। सभी के साथ प्रभु श्री राम का आशीर्वाद तो था ही।

तीन दिनों में अयोध्या में बिना किसी राजनैतिक या व्यावसायिक आयोजन के 71 निजी विमान गतिमान हुए। लखनऊ तथा अयोध्या के विमानतल एवं लखनऊ, अयोध्या, काशी, गोरखपुर, गोंडा, सुल्तानपुर, प्रयागराज आदि रेल-स्टेशनों पर केसरिया पटके के साथ स्वागत एवं यातायात की पूर्ण व्यवस्था की गयी। विभिन्न उपस्थित लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, सभी के लिए आवास व्यवस्था सावधानीपूर्वक तैयार की गई थी। टेंट सिटी, होटेल, आश्रम, धर्मशाला सहित कुछ विद्यालयों तथा 200 स्थानीय परिवारों में रुकने की व्यवस्था की गयी थी। सम्पूर्ण अयोध्या 'राम आएँगे' गीत की ध्वनि से गुंजायमान थी। अयोध्या की गलियों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद देर रात्रि तक सभी ने लिया।

भारत का इतिहास साक्षी है कि यह स्वयं में ऐसा एक ही कार्यक्रम था जहां इस स्तर के व्यक्ति 4-5 घंटों तक सामान्य कुर्सियों पर बैठे। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा वहां 4 घंटे व्हील-चेयर पर बैठे। ना तो वहां किसी के सहयोगी थे, ना ही सुरक्षाकर्मी। प्रसाद स्वरूप सभी को जल सेवा एवं जलपान अपनी कुर्सियों पर ही दिया गया। प्रभु श्री राम के घर में सभी जातियां, सभी वर्ग, सभी क्षेत्र, एक समान थे, एक साथ थे। सभी ने अपने औहदे, अपनी सामाजिक-आर्थिक महत्ता से ऊपर उठकर अयोध्या के सादगी-पूर्ण आतिथ्य को सहृदय स्वीकार किया।

भारत के हर नगर, हर गांव में सभी प्रभु श्री राम के शुभागमन हेतु आतुर थे। सम्पूर्ण भारत का हर गांव, हर मोहल्ला, हर मंदिर अयोध्या बन गया था। जो अयोध्या नहीं आ पाए, उन्होंने स्थानीय मंदिरों में पूजन किया, रात्रि में दीपोत्सव मनाया। सभी का मन एवं आत्मा उस दिन अयोध्या में ही थे। श्री रामलला के स्वागत हेतु अयोध्या नगरी एवं मंदिर परिसर को भी असंख्य क्विंटल पुष्पों से सुसज्जित किया गया, भारत के सभी प्रांतों के परम्परागत वाद्य-वादक, 30 से अधिक कलाकारों ने वातावरण को राम-गीतों से संगीतमय कर दिया और आरती के समय सहस्त्रों पीतल की घंटियों से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। रामलला के अवतरण के साथ ही, हेलिकॉप्टर द्वारा मंदिर परिसर पर की गयी पुष्प वर्षा से लग रहा था मानों सम्पूर्ण देवलोक प्रसन्ना होकर पुष्प-वर्षा कर रहा है। यह आयोजन एक समारोह मात्र के स्तर से ऊपर उठ गया था, यह एक दैवीय अनुभूति, एक आध्यात्मिक यात्रा में परिवर्तित हो चुका था। लोग भाव विभोर थे, वातावरण दिव्य लोक के समान एक अलौकिक आभा से आच्छादित हो गया। कुछ श्रद्धालुओं की आंखो में आंसू थे, कुछ नृत्य-लीन थे। कोई स्वर्ग की अनुभूति कर रहा था, कोई त्रेता युग की। सभी के लिए श्री राम पुनः लंका से अयोध्या लौट रहे थे। अगले दिन तो प्रातः 3 बजे से ही श्रद्धलुओं ने श्री रामलला के दर्शन हेतु पंक्ति-बद्ध होना प्रारम्भ कर दिया था। 23 जनवरी को लगभग 5 लाख लोगों ने उत्साह और पूर्ण अनुशासन के साथ श्री रामलला के दिव्य दर्शन किए।

अयोध्या के इस दैवी आयोजन ने जाति, वर्ग, भाषा, प्रांत, मत-पंथ की सीमाओं को पार करते हुए, परंपरा से ओत-प्रोत, फिर भी प्रगति को गले लगाते हुए, एक राष्ट्र की सामूहिक चेतना का जागरण किया। प्रभु श्री राम की चिर-विरासत का एक प्रमाण, जो विश्व भर में करोड़ों लोगों को प्रेरित और एकजुट करता है, यह आयोजन; एकता, अखंडता, समरसता और श्रद्धा के 'रामोत्सव' के रूप में युगों-युगों तक जीवित रहेगा। अब समय आ गया है कि हम प्रभु श्रीराम का स्मरण कर, भारत को सुखी, संपन्न, स्वस्थ, समर्थ और सम्मानित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लें। भारत को 'विश्व-गुरु' के रूप में स्थापित करें।

-अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

अब भी अमन की राह देखता मणिपुर

चंदन कुमार शर्मा, प्रोफेसर, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम

मणिपुर में पिछले साल मई से हिंसा का जो नया दौर शुरू हुआ, वह दस महीने के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा। अब तक करीब 200 लोग इस हिंसा में जान गंवा चुके हैं और हजारों पलायन करने को मजबूर हुए हैं। चिंता की बात है कि हिंसा के जल्द खत्म होने के संकेत भी नहीं मिल रहे। लग रहा है, हम किसी ऐसी अंधेरी सुरंग से गुजर रहे हैं, जिसका दूर-दूर तक सिरा नहीं है।

तीन दिन पहले (27 फरवरी) एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का एस्कॉर्ट के साथ किया गया अपहरण इसका ज्वलंत प्रमाण है। इंफाल पश्चिम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एम अमित सिंह को उनके ही घर से 200 से अधिक बंदूकधारियों ने अगवा कर लिया था। इस दौरान वहां तोड़फोड़ भी की गई और गोलियां भी चलाई गई। हालांकि, त्वरित जवाबी कार्रवाई से उनको छुड़ा लिया गया, लेकिन यह घटना चौंकाने वाली है। पुलिस के बयान में यह नहीं बताया गया है कि अपहरण के पीछे कौन लोग हैं? मगर उंगली कट्टरपंथी जमात अरामबाई तेंगगोल की तरफ उठी है, जो मैतेई समर्थक गुट है। पुलिसिया बयान में यह भी साफ नहीं है कि यह अपहरण आखिर क्यों किया गया था? हां, यह जरूर बताया गया है कि खुलेआम हथियार लहराने और गाड़ियों की चोरी करने के आरोप में इसी संगठन के कुछ सदस्यों को उस दिन पकड़ा गया था, जिसके प्रतिशोध में यह की गई होगी। इस घटना के अगले दिन 28 फरवरी को मणिपुर पुलिस कमांडो ने अपहरण और सशस्त्र गुटों के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति नहीं मिलने से नाराज होकर अपना विरोध भी जताया और अपने हथियार नीचे रख दिए।

मणिपुर में हिंसा की शुरुआत तब हुई थी, जब मणिपुर उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में राज्य सरकार को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने को कहा था। इसका राज्य के आदिवासी समूहों ने विरोध किया। यहां की आबादी में करीब 53 फीसदी हिस्सा मैतेई लोगों का है और ये मूलतः इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी नगा, कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की है, जो मुख्यतः पहाड़ी जिलों में बसे हुए हैं।

मौजूदा घटनाक्रम में यह जानना भी जरूरी है कि अरामबाई तेंगगोल संगठन को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। इस संगठन के कार्यकर्ता आमतौर पर पुराने मणिपुर के गौरव को बहाल करने के नारे लगाते हुए सड़कों पर या बाजारों में देखे जाते हैं। राज्य में चल रहे संकट के बीच इस साल 24 जनवरी को इस संगठन द्वारा बुलाई गई बैठक में मुख्यमंत्री सहित 37 विधायकों और दो सांसदों ने भाग भी लिया था, जिसमें एक छह सूत्री मांग-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें राज्य की अखंडता को बचाने व मैतेई की सुरक्षा की बात कही गई थी। बैठक में यह मांग-पत्र केंद्र को भेजने पर भी सहमति बनी थी। मीडिया में तो बैठक के लिए आए तेंगगोल नेता कोरौंगनबा खुमान का स्वागत करने वाली मैतेई महिलाओं की तस्वीरें भी छपीं। इन महिलाओं के गुट मीरा पैबी ने तेंगगोल सदस्यों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में पुलिस अधिकारी के अपहरण से ऐन पहले सड़क जाम भी किया था।

मैतेई के साथ दो-दो हाथ करने वाले कुकी-जो समुदाय ने भी हालिया घटना के लिए अरामबाई तेंगगोल को जिम्मेदार ठहराया है। वह राज्य में ताजा संघर्ष के दौरान हिंसा होने और कुकी-जो समुदाय पर हुए हमले के लिए भी इस संगठन को निशाने पर लेता रहा है।

इस बीच, 1,643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के केंद्र सरकार के फैसले का भी पूर्वोत्तर में असर देखने को मिल रहा है। गौरतलब है कि अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम की सीमा म्यांमार से मिलती है, और नगा व कुकी-जो समुदाय के लोग बड़ी संख्या में सीमा के दोनों तरफ बसते हैं। यही कारण है कि अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर की सरकारों ने जहां बाड़ेबंदी के फैसले का स्वागत किया है, तो नगालैंड और मिजोरम इसके विरोध में खड़े हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विगत 8 फरवरी को यह एलान किया था कि केंद्र सरकार ने आंतरिक सुरक्षा व पूर्वोत्तर में जनसांख्यिकीय संरचना के खतरे को देखते हुए भारत-म्यांमार निर्बाध आवागमन व्यवस्था को खत्म करने का फैसला किया है। फिलहाल जो व्यवस्था कायम है, वह 2018 की देन है, जिसके तहत नगा, कुकी और जो जैसे आदिवासी समुदायों के लोग 16 किलोमीटर की सीमा-रेखा में निर्बाध आ-जा सकते हैं।

देखा जाए, तो मणिपुर की मौजूदा स्थिति को देखते हुए भी यह व्यवस्था खत्म की जा रही है। 24 जनवरी को तेंगगोल की बैठक में पारित छह सूत्री मांगों में एक यह भी थी। मैतेई संगठनों का आरोप है कि म्यांमार से मणिपुर तक कुकी शरणार्थियों की बड़े पैमाने पर हुई घुसपैठ से न सिर्फ राज्य की जमीन पर दबाव पड़ा है, बल्कि जनसांख्यिकीय संरचना बदलने का खतरा भी खासा बढ़ गया है। उन्होंने इन शरणार्थियों पर नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी करने का आरोप भी लगाया है। दूसरी ओर, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम के आदिवासी सीमा बंद करने के फैसले का कड़ा विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इसका व्यापक असर पड़ेगा। मिजोरम विधानसभा पहले ही इस प्रस्ताव के खिलाफ एक अन्य प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इसी वजह से निर्बाध आवागमन व्यवस्था खत्म करने संबंधी केंद्र सरकार के फैसले से अस्थिरता के एक नए दौर की शुरुआत का अंदेशा जताया जा रहा है। जाहिर है, इस मसले का हमें स्थायी समाधान ढूंढ़ना होगा। जानकारों ने पहले कुछ समाधान सुझाए हैं, जिन पर विचार करना उचित होगा।

27 फरवरी को एक अन्य उल्लेखनीय घटना हुई है। मणिपुर उच्च न्यायालय ने 27 मार्च, 2023 के अपने उस फैसले में संशोधन किया है, जिसमें राज्य सरकार से मैतेई को एसटी दर्जा देने पर विचार करने को कहा गया था। उस फैसले से जुड़े पैराग्राफ को नए आदेश में हटा दिया गया है। मणिपुर के लोग इस पर क्या प्रतिक्रिया देंगे, फिलहाल यह तो स्पष्ट नहीं है, लेकिन यहां की जटिल स्थिति को देखकर यही कहा जा सकता है कि हालात को संभालने के लिए यह देर से उठाया गया कदम है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

निष्पक्ष निर्वाचन के लिए आदर्श आचरण संहिता को सही ढंग से समझे अधिकारी - निलेश क्षीरसागर

निर्वाचन के दौरान मीडिया का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने प्रमाणन समितियां होंगी सक्रिय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने कहा है कि निर्वाचन के दौरान आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चित कराने में निर्वाचन क्षेत्र के अधिकारियों की भूमिका अहम होती है। हर स्तर के अधिकारी आचार संहिता के सभी पहलुओं को जानें, तभी नियमों का पालन सुनिश्चित हो सकेगा। लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों की कड़ी में आज वे आदर्श आचरण संहिता, मीडिया प्रमाणन तथा निगरानी समिति एवं व्यय निगरानी समिति के जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स के एक दिवसीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे।

इसमें प्रदेश के 17 जिलों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। शेष जिलों के अधिकारियों के लिए 1 मार्च को यह प्रशिक्षण आयोजित है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा आम निर्वाचन के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन से जुड़े विभिन्न स्तरों के अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इसके पूर्व जिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों के लिए भी प्रशिक्षण आयोजित किए जा चुके हैं।

प्रशिक्षण के दौरान आज मास्टर ट्रेनर तथा उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यू.एस. अग्रवाल और अपूर्व प्रियेश टोप्पो, मास्टर ट्रेनर दुष्यंत रायस्त, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रूपेश वर्मा और श्रीमती शारदा अग्रवाल ने एमसीसी, एमसीएमसी तथा ईईएम से संबंधित तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी अधिकारियों को दीं। उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यू.एस. अग्रवाल ने प्रशिक्षण में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन की घोषणा होते ही आदर्श आचरण संहिता लागू हो जाती है। इस स्थिति में प्रशासनिक अधिकारी निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण होने तक यह सुनिश्चित करें कि इस दौरान किसी भी शासकीय भवन, शासकीय मशीनरी का उपयोग राजनीतिक गतिविधियों के लिए न हो। इस दौरान धन के बड़े पैमाने पर लेन-देन, जुलूस, राजनीतिक सभा, समारोह की रिकॉर्डिंग, आपत्तिजनक भाषा में राजनीतिक भाषण, वाहनों की अनाधिकृत आवाजाही, प्रचार सामग्री के परिवहन सहित अन्य विषय जो सीधे अथवा परोक्ष रूप से निर्वाचन गतिविधि के तहत संपन्न हो रही है, ऐसे सभी कार्यों पर आदर्श आचरण संहिता के तहत निगरानी रखें। आचार संहिता के उल्लंघन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना प्रशासनिक अधिकारी का दायित्व है। प्रशिक्षण के दौरान वाहनों के उपयोग, विश्राम भवनों तथा स्कूल भवनों के उपयोग जैसे विषयों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की भी जानकारी दी गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स ने आदर्श आचरण संहिता के व्यापक दायरे तथा अधिकारियों के दायित्वों और सीमाओं पर नोडल अधिकारियों तथा जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

मास्टर ट्रेनर दुष्यंत रायस्त और अपूर्व प्रियेश टोप्पो ने निर्वाचन व्यय निगरानी समितियों के दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के दौरान प्रत्याशियों को प्रतिदिन अपने निर्वाचन व्यय का संधारण करना है। अभ्यर्थियों के प्रचार के दौरान विभिन्न निगरानी समितियों के माध्यम से भी इस बात का मिलान करें कि व्यय की गणना मापदंडों के अनुरूप हो रही है या नहीं। सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शारदा अग्रवाल ने प्रशिक्षण में अधिकारियों को निर्वाचन के दौरान मीडिया प्रमाणन तथा निगरानी समितियों की जिम्मेदारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया का राजनीतिक विज्ञापन के लिए उपयोग निर्वाचन के दौरान लगातार बढ़ा है। एमसीएमसी के जरिए राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के प्रचार-प्रसार के तरीकों पर नजर रखी जाती है। श्रीमती अग्रवाल ने अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय कर इसे और प्रभावी तथा कारगर बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया एवं प्रिन्ट मीडिया सेल का गठन करें। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया में प्रसारित विज्ञापन बिना अधिप्रमाणन प्रसारित होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। उन्होंने बताया कि एमसीएमसी समिति के पास पर्याप्त अधिकार है कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन वाले विज्ञापन को प्रमाणन के स्तर पर ही अनुमति प्रदान नहीं करें। संदिग्ध पेड न्यूज के प्रकरणों पर भी विशेष ध्यान देकर नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

खास खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत तेजी से हो रहे हैं आवास निर्माण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मोदी की गारंटी के तहत अपने पहले ही कैबिनेट में प्रदेश में 18 लाख आवास निर्माण की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में तेजी से आवास निर्माण का कार्य किया जा रहा है। स्वयं मुख्यमंत्री के गृह जिले जशपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत पिछले तीन महीने में ही 5 हजार 611 आवास निर्माण के कार्य पूर्ण किए गए हैं। जशपुर जिले के सभी जनपदों में वर्ष 2016 से 2023 तक कुल 61 हजार 784 आवास स्वीकृत हुए है। इनमें निर्माणाधीन आवास हितग्राहियों से समन्वय स्थापित करते हुए जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत अमलों की सतत मॉनीटरिंग में अब तक 53 हजार 121 आवास पूर्ण हुए हैं और शेष आवासों की मॉनीटरिंग भी लगातार की जा रही है। राज्य शासन से हितग्राहियों के किस्त की राशि समय से प्राप्त हो रही है। जिससे सभी प्रगतिरत आवास को तय समय-सीमा में पूर्ण करने में हितग्राहियों को आसानी हो रही है।

एनआईटी ने जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार और आईआईटी कानपुर के साथ लीड कंसोर्टियम इंस्टीट्यूट के रूप किया एमओए

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर ने जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय (भारत सरकार),शिक्षा मंत्रालय(भारत सरकार) सेंटर फॉर गंगा , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर और एनआईटी राउरकेला के साथ महानदी बेसिन प्रबंधन अध्ययन केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से 28 फरवरी 2024 को एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। एनआईटी रायपुर इस एमओए में अग्रणी कंसोर्टियम संस्थान है और एनआईटी राउरकेला महानदी बेसिन के लिए इसका फेलो कंसोर्टियम संस्थान है। एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव ने नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार और प्रोफेसर उमामहेश्वर राव करणम, निदेशक, एनआईटी राउरकेला की उपस्थिति में एमओए पर हस्ताक्षर किए। एमओए हस्ताक्षर समारोह के दौरान केंद्र प्रमुख डॉ. समीर बाजपेयी के साथ परियोजना अन्वेषक डॉ. इश्तियाक अहमद और डॉ. मणि कांत वर्मा उपस्थित रहे।

विकासखण्ड स्तरीय पशुमेला एवं प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

कांकेर। पशुधन विकास विभाग द्वारा विकासखण्ड स्तरीय पशुमेला का आयोजन आज जिले के ग्राम आलबेड़ा में किया गया, जिसमें दुधारु गाय, उन्नत नस्ल के बछड़ा एवं बछिया, बैल, भैस, उन्नत नस्ल के बकरे, मुर्गे के प्रदर्शनी के साथ विभिन्न वर्ग के पशुओं की प्रतियोगिता हुई। चयन समिति द्वारा प्रत्येक वर्ग के प्रतियोगिता में पशुओं को उनकी उन्नत नस्ल एवं उत्तम, स्वास्थ्य के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पशुपालकों को नगद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। मेला में विशेषज्ञों द्वारा पशुपालकों को पशुपालन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य नरोत्तम पटोदी, जनपद सदस्य श्रीमती सावित्री सलाम, सरपंच श्रीमती सेवती सलाम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

निर्माणी श्रमिकों को मिलेगा 1500 रुपए पेंशन

श्रममंत्री लखनलाल देवांगन ने किया श्रमिक पेंशन सहायता योजना का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रम मंत्री सह अध्यक्ष लखन लाल देवांगन, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने गुरुवार को नवा रायपुर मण्डल मुख्यालय कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। इसके पश्चात उन्होने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप श्रमिकों के हित एवं उनके बेहतर जीवन यापन के लिए सरकार के मंशाअनुरूप निर्माण श्रमिकों के पेंशन योजना का शुभांरभ किया। जिसमें पात्र निर्माण श्रमिकों को पेंशन राशि सीधे उनके खाते में हस्तांतरण आज योजना प्रारंभ कर किया गया है।

मंडल द्वारा संचालित मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना के तहत ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिनकी आयु 60 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उन श्रमिकों को जीवन पर्यन्त प्रतिमाह राशि 1500 रुपए पेंशन दिया जाना प्रावधानित है, अगर ऐसे पेंशनधारी निर्माण श्रमिक जिनकी मृत्यु हो जाती है। उन परिस्थिति में निर्माण श्रमिक के आश्रित (पति/पत्नी) को राशि 750 रूपए मासिक पेशन दिये जाने का प्रावधान है।

इसी प्रकार निर्माण श्रमिकों के बच्चो के लिए मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना के तहत् पंजीकृत निर्माण श्रमिक के स्वयं अथवा उनके आश्रित संतानों को व्यापम, पीएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड, एसएससी आदि द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये योजना का शुभांरभ कर अनुबंध किया गया है । अब प्रदेश के किसी भी निर्माण के बच्चो को शिक्षा एवं रोजगार में कमी नही होगी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के सचिव सविता मिश्रा, अपर श्रमायुक्त, एसएल जांगड़े, उप श्रमायुक्त डीपी तिवारी, उप श्रमायुक्त एस.एस.पैकरा, उप संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तोषण साहू, वरिष्ठ लेखाधिकारी, रामगोपाल जायसवाल, कोरबा नगर निगम के पार्षद नरेन्द्र देवांगन, प्रफुल्ल तिवारी, नरेन्द्र पाटनवार सहित कर्मकार कल्याण मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्री लखनलाल देवांगन ने संभाला छग भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष का पदभार

रायपुर। प्रदेश के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया। नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल कार्यालय में उन्होंने कर्मकार कल्याण मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप हम सभी को श्रम विभाग की जुड़ी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ श्रमिकों को दिलाने की दिशा में बेहतर प्रयास करे, जिससे छत्तीसगढ़ की देश में एक विशिष्ट पहचान बने। टीम भावना से कार्य करते हुए सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करे, जिससे अधिक से अधिक श्रमिक लाभान्वित हो सके।

जीएसटी विभाग के बकाया समाधान योजना से वर्षों पुराने विवादित बकाया प्रकरणों का हो रहा शीघ्र निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्यिक कर जीएसटी विभाग द्वारा वर्षों पुराने विवादित बकाया प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए एकमुश्त समाधान योजना 2023 लागू की गई है। योजना के माध्यम से व्यवसायियों के धन और समय दोनों की बचत हो रही है। साथ ही इससे विभाग के राजस्व में वृद्धि हो रही है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि फरवरी 2024 तक विभाग ने 9 हजार 852 प्रकरणों का निराकरण कर 60.40 करोड़ रुपए की राहत हितग्राहियों को दी गई है और इससे विभाग को 20 करोड़ का राजस्व भी प्राप्त हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए 31 मार्च 2024 तक ही आवेदन किया जा सकता है। योजना के अंतर्गत विभाग द्वारा कर राशि में 27.10 करोड़, ब्याज में 16.17 करोड़ और शास्ति में 16.58 करोड़ रूपए की राहत अब तक बकायादार व्यवसायियों को दी जा चुकी है।

राज्य जी.एस.टी. विभाग से मिली जानकारी अनुसार रायपुर संभाग क्रमांक-1 में 2754, रायपुर संभाग क्रमांक-2 में 2051, बिलासपुर संभाग क्रमांक-1 में 974, बिलासपुर संभाग क्रमांक-2 में 2663 और दुर्ग संभाग में 1410 बकाया मामलों का निराकरण किया जा चुका है। गौरतलब है कि जी.एस.टी. विभाग की बकाया समाधान योजना में 50 लाख रूपए से कम बकाया वाले प्रकरणों में कर राशि का 60 प्रतिशत, ब्याज 90 प्रतिशत् और शास्ति की पूरी राशि माफ करने का प्रावधान है। बकाया समाधान योजना की खास बात यह है कि जी.एस.टी. लागू होने के पहले के विधानों के अंतर्गत विक्रय कर, वाणिज्यिक कर, वैट कर के प्रांतीय, केन्द्रीय, प्रवेश कर, होटल कर और वृत्ति कर के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए लागू की गई है। योजना में सभी सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालयों, अपीलीय न्यायालयों में निगरानी अथवा शासन के समक्ष विचाराधीन प्रकरणों में लागू होगी। ऐसे प्रकरणों को न्यायालय से वापस लेकर योजना अंतर्गत लाभ लेने के लिए निःशुल्क आवेदन किया जा सकता है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के वैज्ञानिकों ने किया फसल प्रदर्शन का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। कृषि तकनीक अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, जबलपुर द्वारा निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा के द्वारा रबी फसलों के उन्नत किस्मों एवं फसल उत्पादन की उन्नत कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिये बेमेतरा जिला के कृषकों के प्रक्षेत्र में दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अंतर्गत मसूर, अलसी एवं सरसों फसल का समूह अग्रिम फसल प्रदर्शन लिया गया है। बेमेतरा जिला में संचालित उक्त फसल प्रदर्शन के निरीक्षण हेतु निदेशक विस्तार सेवायें, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के द्वारा चार सदस्यीय वैज्ञानिकों के निरीक्षण दल का गठन किया गया था। इस निरीक्षण दल के टीम लीडर व प्रोफेसर डॉ. पी. के. चंद्राकर ने विश्वविद्यालय के प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ. ए. के. वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राकेश बनवासी एवं वैज्ञानिक डॉ. डी. पी. पटेल तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख तोषण कुमार ठाकुर एवं वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार कुलमित्र के साथ नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचभैया, आमचो, नांदल एवं विकासखंड बेमेतरा के ग्राम पंडरभट्ठा में कृषि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा के तकनीकी मार्गदर्शन में लगाये गये मसूर, सरसों एवं अलसी फसल के समूह अग्रिम फसल प्रदर्शन के हितग्राही किसानों की उपस्थिति में निरीक्षण किया एवं किसानों से उनकी प्रतिक्रिया (फिडबैक) लिया। किसानों से चर्चा के दौरान निरीक्षण दल के वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकी के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। कृषि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा के द्वारा किसानों के प्रक्षेत्र में संचालित समूह अग्रिम पंक्ति फसल प्रदर्शन का उपस्थित किसानों एवं निरीक्षण दल ने सराहना करते हुए आगामी ग्रीष्मकालीन एवं खरीफ फसलों के समूह अग्रिम फसल प्रदर्शन अंतर्गत किसानों की रूचि एवं जलवायु परिवर्तन के फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए उन्नत किस्मों को प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल करने हेतु अपना सुझाव भी दिया।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा पत्र

(फार्म-4)

1.प्रकाशन स्थान	भिलाई
2.प्रकाशन अवधि	सांध्य दैनिक
3.मुद्रक का नाम	राजेश अग्रवाल
(क्या भारतीय नागरिक है?)	हां
पता	क्वा.नं. 18/बी, सड़क-24, सेक्टर-7 भिलाई, जिला दुर्ग(छ.ग.)
4.प्रकाशक का नाम	राजेश अग्रवाल
(क्या भारतीय नागरिक है?)	हां
पता	क्वा.नं. 18/बी, सड़क-24, सेक्टर- 7, भिलाई, जिला दुर्ग(छ.ग.)
5.संपादक का नाम	राजेश अग्रवाल
(क्या भारतीय नागरिक है?)	हां
पता	क्वा.नं. 18/बी, सड़क-24, सेक्टर-7 भिलाई, जिला दुर्ग(छ.ग.)
6. उन व्यक्तियों के नाम पते जो समाचार पत्र के स्वामित्व हो तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो।	राजेश अग्रवाल क्वा.नं. 18/बी, सड़क-24, सेक्टर-7 भिलाई, जिला दुर्ग(छ.ग.)

मैं राजेश अग्रवाल घोषित करता हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है।

(राजेश अग्रवाल)
प्रकाशक के हस्ताक्षर

दिनांक: 1 मार्च 2024

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह कल राजिम में, जिले के 180 जोड़े बंधेंगे दांपत्य सूत्र में

श्री राजीव लोचन मंदिर प्रांगण में दोपहर 12 बजे से शुरू होगा सामुहिक विवाह कार्यक्रम

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की कन्या के विवाह के लिए 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का संचालन छत्तीसगढ़ के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया जाता है। राजिम कुंभ कल्प 2024 मेला में मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन शनिवार 02 मार्च को किया जाएगा। इसमें जिले के 180 जोड़े दांपत्य जीवन में बंधेंगे। सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12 बजे से श्री राजीव लोचन मंदिर परिसर राजिम में किया जायेगा। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिले के प्रभारी मंत्री एवं खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल करेंगे। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद चुन्नीलाल साहू एवं राजिम क्षेत्र के विधायक रोहित साहू शामिल होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिकगण शामिल होकर नवदंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अशोक पाण्डेय ने बताया कि अभी तक 180 जोड़ो का पंजीयन किया गया है।

छत्तीसगढ़ की किताबों में प्रकाशित होंगे भारत रत्न और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों का जीवन परिचय

मातृ शोक के बावजूद शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एक दिन बाद ही काम पर लौटे, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम कार्यकारिणी सभा की ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मातृ शोक में डूबे शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एक दिन बाद ही फिर काम में लौट आए। उन्होंने गुरुवार को छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम कार्यकारिणी सभा की 88 वीं बैठक ली। बैठक में उन्होंने मंडल के कामकाज की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों का सामान्य ज्ञान बढ़ाने और उन्हें देश की महान विभूतियों की जानकारी प्रदान करने के लिए किताबों के शुरुवात और अंत में भारत रत्न और पद्मश्री पुरुस्कार से सम्मानित महान हस्तियों का जीवन परिचय प्रकाशित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री शिक्षा मंत्री समेत मंत्रीमंडल के सदस्यों की फोटो के साथ परिचय प्रकाशित किया जाएगा।

बता दें गुरुवार को हुई यह यह बैठक मंत्री अग्रवाल की माता जी के निधन के बाद उनकी पहली बैठक थी। बैठक में उन्होंने कहा कि उनकी माता जी का निधन उनके लिए एक बहुत बड़ा व्यक्तिगत नुकसान है। उनकी माता जी उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ थीं और उनके निधन से उन्हें गहरा दु:ख हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी मां हमेशा उन्हें दूसरों की सेवा करने के लिए प्रेरित करती थीं, इसलिए वे अपनी मां की इच्छाओं को पूरा करने के लिए अपना काम जारी रखेंगे।

बैठक में मंत्री अग्रवाल ने पाठ्य पुस्तक निगम के कामकाज की समीक्षा करते हुए कहा कि पाठ्य पुस्तक निगम को छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने मंडल के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए काम करें। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वह निगम के कामकाज की नियमित रूप से समीक्षा करते रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि निगम छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा।

सभी जिलों में स्थापित होंगे पाठ्य पुस्तक निगम के डिपो

पुस्तक मुद्रण में प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत वृद्धि की जाती है जिसे वर्तमान सत्र में नहीं करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने राज्य के सभी 33 जिलों में पाठ्य पुस्तक निगम का डिपो स्थापित करने के निर्देश दिए जिससे सभी विद्यालयों तक समाय पर पुस्तक पहुंचाया जा सकें। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल से सम्बद्ध विद्यालयों में छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के पुस्तको का उपयोग अनिवार्य किया जाएगा। अन्य शासकीय विभागों एवं उपक्रमों के अधिक से अधिक प्रिंटिंग कार्यादेश प्राप्त करने को कहा है। जिससे निगम की आय में वृद्धि हो और उससे छात्रहित में अधिक से अधिक कार्य किया जा सके। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मंडलम से सम्बद्ध सभी संस्कृत विद्यालयों को समय पर पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

पंजीकृत 13712 हितग्राहियों को 12 करोड़ 88 लाख रुपए प्रदाय

नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना से पंजीकृत श्रमिकों के बच्चे हुये लाभान्वित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित नौनिहाल छात्रवृत्ति सहायता योजना में हितग्राही के प्रथम दो बच्चों को कक्षा पहली से उच्च कक्षाओं के लिए 1,000 से 10,000 रुपये राशि दिये जाने का प्रावधान है। बेमेतरा जिले में इस योजना में वर्तमान वित्तीय वर्ष में 7054 हितग्राहियों को कुल 1 करोड़ 49 लाख 57 हजार राशि प्रदान किया गया। इसी प्रकार हितग्राही के प्रथम दो बच्चों हेतु संचालित नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना में कक्षा दसवीं से उच्च कक्षाओं में 75 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को 5,000 से 1,00,000 रुपये राशि दिये जाने का प्रावधान है। इस योजना में 75 हितग्राहियों को कुल 06 लाख 06 हजार राशि प्रदाय किया गया।

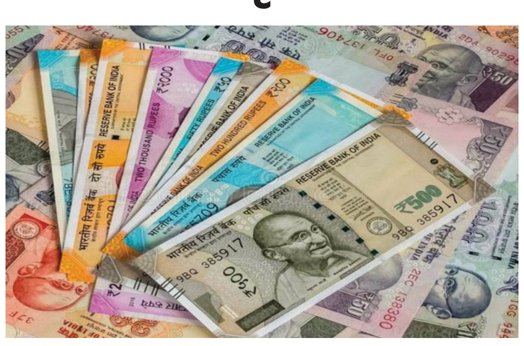

इस प्रकार मंडल अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 14683 श्रमिकों का पंजीयन कर पंजीयन श्रमिक कार्ड जारी किया गया एवं मंडल द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में पंजीकृत कुल 13712 हितग्राहियों को कुल राशि 12 करोड़ 88 लाख 54 हजार रुपये प्रदाय किया गया। जिले में मंडल द्वारा पंजीकृत हितग्राहियों द्वारा विभिन्न योजनाओं में प्राप्त आर्थिक सहायता मिलने पर छत्तीसगढ़ शासन एवं श्रम विभाग का विशेष आधार ज्ञापित किया गया।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पंजीयन एवं योजना के आवेदन एवं विस्तारपूर्वक जानकारी हेतु सभी विकासखण्डों में संचालित श्रम संसाधन केन्द्र व जिला कलेक्टोरेट स्थित कार्यालय श्रम विभाग एवं श्रमेव जयते मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

शिल्पकला का उत्कृष्ट नमूना है राजिम का सबसे प्राचीन श्रीरामचंद्र मंदिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजिम में स्थित श्री रामचंद्र मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। मंदिर में लगे शिलालेखों तथा पुरातत्व विभाग द्वारा लगे सूचना बोर्ड से ज्ञात होता है कि इस मंदिर का निर्माण कल्चुरि सामंतो द्वारा ग्यारहवीं शताब्दीं में किया गया था। इस मंदिर में भगवान गणेश जी की एक नृत्य करती हुई मूर्ति है जो पुरातत्ववेत्ता के अनुसार काफी पुरानी है जिसे पुरातत्व विभाग द्वारा विशेष संरक्षण प्राप्त है।

मंदिर के गर्भगृह में पाषाण स्तंभो पर उकेरा गया शिल्प बहुत ही मनमोहक है जो कल्चुरि कालीन संस्कृति और सभ्यता दर्शाती है। मंदिर के दरवाजे पर शिल्प की उत्कृष्ट कला के मूर्तिया शिल्पी है। राजिम का यह राम मंदिर का सबसे प्राचीन मंदिर कहा जाता है। इस मंदिर को पुरातत्व विभाग द्वारा अपने अधीनस्थ रखते हुए संरक्षित किया गया तथा इस मंदिर का जीर्णाद्धारात्मक मरम्मत कराया जा रहा है। ताकि मंदिर को प्राचीनता स्पष्ट दिखाई दें।

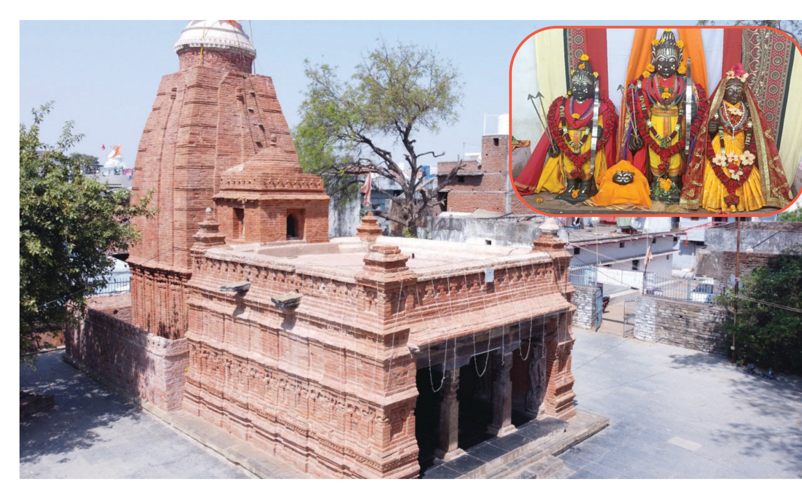

ज्ञात हो कि भू निर्देशांक के अनुसार 200 57' 48'' उत्तरी अक्षांश एवं 810 52' 43'' पूर्वी देशांतर पर बसे राजिम का पूर्वामुखी रामचन्द्र मंदिर अति प्राचीन है। मंदिर के गर्भगृह में बने पाषाण स्तंभो की शिल्प इस मंदिर की प्राचीनता को दर्शाती है। मंदिर के एकाश्मक स्तम्भों पर उकेरी गई देवी देवताओं की प्रतिमा सहित कला का उत्कृष्ट नमूना देखने को मिलता है। एक शिलालेख के अनुसार यह मंदिर 8वीं 9वीं शताब्दी ईश्वी की है। मंदिर का निर्माण 11वी शताब्दी में कल्चुरी सामंतो के प्रमुख जगतपाल देव द्वारा किए जाने की पुष्टि करती है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने देर रात तक सुनी महिलाओं की समस्याएं

रेडी-टू-ईट का काम महिला समूहों को देने के निर्णय पर समूह की महिलाओं ने महिला बाल विकास मंत्री का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने आवास कार्यालय में देर रात तक महिलाओं की समस्याएं सुनी। उन्होंने महिलाओं को यथासंभव समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। मंत्री राजवाड़े से मिलने दूरस्थ वंनाचल क्षेत्र दंतेवाड़ा, बलौदाबाजार सहित रायपुर जिले से महिलाएं, महिला समूह की सदस्य और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी पहुंचे थे। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार महतारी वंदन योजना के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गांरटी पूरी करने जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन महिलाओं के खाते में योजना के तहत राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर मिलने आ रहे हैं। उन सबकी समस्याओं के निराकरण का पूरा प्रयास किया जा रहा है। समूह की महिलाओं से मंत्री राजवाड़े ने कहा कि अपने समूह को मजबूत बनाएं। समूह के सशक्त होने से उन्हें नियमित काम मिलते जाएगा।

मंत्री राजवाड़े का दंतेवाड़ा जिले से मिलने पहुंची समूह की महिलाओं ने आभार व्यक्त करते हुए रेडी-टू-ईट बनाने का काम शीघ्र दिलाने का निवेदन किया। उन्होंने कहा कि रेडी-टू-ईट बनाने का काम स्थानीय महिलाओं को मिलने से उनमें आर्थिक आत्मनिर्भरता आएगी। इसी तरह बलौदाबाजार जिले के ग्राम कोयदा और मरदा से मिलने पहुंची महिलाओं ने मातृ वंदन योजना में नाम ना आने की बात कही। मंत्री राजवाड़े ने तुरंत विभागीय संचालक को बुलाकर महिलाओं की समस्या का समाधान करने कहा।

मुंगेली जिले से पहुंचे अश्वनी कुमार कश्यप ने छत्तीसगढ़ के सभी हनुमान भक्तों की ओर से चैत पूर्णिमा को हनुमान जयंती के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के आवेदन पर मंत्री राजवाड़े ने अनुशंसा की। मंत्री राजवाड़े से डेफ क्रिकेट एसोसिएशन रायपुर की ओर से क्रिकेट टूर्नामेंट कराने के आर्थिक सहायता की मांग की जिस पर उन्होंने समाज कल्याण विभाग से नियमानुसार सहायता का आश्वासन दिया। इसके साथ ही मंत्री राजवाड़े से विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने महिला सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

मंदिरों में चढ़े फूलों से बना रही सुगंधित हर्बल गुलाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। होली के त्योहार पर एक दूसरे को तरह तरह के रंग लगाकर उत्साह से सभी परिवार के साथ पर्व मनाते हैं। महासमुंद जिले के ग्राम डोकरपाली बिहान से जुड़ी जय माता दी की स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हर्बल गुलाल तैयार किया जा रहा है। हर्बल गुलाल तैयार लगाने से चेहरे पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे इन हर्बल गुलाल की कई विशेषताएं हैं। इसमें रंग और सुगंध के लिए फूलों का ही इस्तेमाल किया जाता है। किसी भी तरह का केमिकल नहीं मिलाया जाता है, ताकि चेहरे को कोई नुकसान न हो सके।

समूह की सदस्य चित्ररेखा दीवान ने बताया कि पिछले साल होली में 80 किलो हर्बल गुलाल महिलाओं ने बनाया था। जिससे 30 से 40 हजार रुपए की आमदनी समूह को हुई थी। होली के पर्व के समय बाजार में गुलाब की काफी मांग बनी रहती है। उन्होंने कहा कि 10 रुपये, 20 और 50 रुपए के हर्बल गुलाल के पैकेट बाजार में आसानी से विक्रय हो जाता है। गुलाल बनाने के लिए पालक, लालभाजी, हल्दी, जड़ी, बुटी व फूलों से हर्बल गुलाल बनाने का कार्य कर रही। इसके अलावा मंदिरों तथा फूलों के बाजार से निकलने वाली इस्तेमाल किए हुए फूल पत्तियों को सुखाकर प्रोसेसिंग यूनिट में पीसकर गुलाल तैयार किया जाता है। गुलाब, गेंदे, स्याही फूल के साथ चुकंदर, हल्दी, आम और अमरूद की हरी पत्तियां को भी प्रोसेस किया जाता है। इस बार भी लगभग 60 किलोग्राम गुलाल तैयार कर लिया गया है। जिसमें से आधी मात्रा बिक गई है। गुलाल अनेक रंगों में बनाए जा रहे है जिसमें हरा, गुलाबी, पीला, केसरिया गुलाल शामिल है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बैड कोलेस्ट्रॉल में फायदा पहुंचाता है पाइनएप्पल, नियमित सेवन से शरीर रहता है दुरुस्त

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए जूस का सेवन फायदेमंद होता है। जूस न सिर्फ शरीर को एनर्जी देने का काम करता है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को कई बीमारियों से भी बचाते हैं। ज्यादातर लोग मौसंबी और अनार का जूस पीना पसंद करते हैं, जो अधिक मीठा होने के कारण डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ा सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल या कम करने के लिए अनानास (पाइनएप्पल) का जूस अधिक फायदेमंद हो सकता है। पाइनएप्पल में विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करते हैं। ये एक सिट्रस फ्रूट है, जो फैट को घटाने में भी सहायक हो सकता है। पाइनएप्पल बैड कोलेस्ट्रॉल में कैसे फायदेमंद है, यह जानना आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। पाइनएप्पल में मौजूद ब्रोमेलेन नामक तत्व दमनियों में जमे कोलेस्ट्रॉल को तोड़ता है, जिससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने में मदद मिलती है। इससे हार्ट डिजीज के खतरों को कम किया जा सकता है। अगर आप बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करना चाहते हैं, तो पाइनएप्पल का सेवन कर सकते हैं। इसका सेवन आप कई तरह से कर सकते हैं।

दालचीनी के साथ खाएं पाइनएप्पल

पाइनएप्पल को खाने का एक अनोखा और स्वादिष्ट तरीका है उसे रोस्ट करके तैयार करना। इसके लिए पाइनएप्पल के छिलकों को हटाकर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर उसपर थोड़ा सा तेल, ब्राउन शुगर और दालचीनी पाउडर छिड़क दें। फिर इसे हल्का सा पैन पर रोस्ट करें। इस प्रक्रिया के बाद, आपके सामने तैयार होगा एक खिला-खिला और स्वादिष्ट स्नैक, जो आप गर्मागर्म ही सर्व कर सकते हैं। यह न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है।

पाइनएप्पल सालसा

यह पाइनएप्पल सलाद एक आसान और स्वादिष्ट व्यंजन है जिसे आप अपने खाने के साथ शामिल कर सकते हैं। इसमें मध्यम आकार के पाइनएप्पल को काटकर उसमें प्याज, जलापेनो, नींबू का रस, हरा धनिया, और नमक मिलाया जाता है। इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखा जाता है ताकि इसका स्वाद और ठंडा बना रहे। यह स्वादिष्ट सलाद आपके भोजन को और भी स्वादिष्ट बना देता है और इसके साथ लहसुन पाउडर छिड़ककर आप अपने स्वाद को और भी विशेष बना सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करे पाइनएप्पल

हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से आर्टरीज में फैट जमा होने लगता है, जो हार्ट अटैक, स्ट्रोक, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है। कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सिट्रस फ्रूट्स मदद कर सकते हैं, जिसमें पाइनएप्पल एक बेहतर ऑप्शन को सकता है। पाइनएप्पल में विटामिन सी और ए अधिक मात्रा में होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। ये फल विटामिन, फाइबर और प्रोटीन तत्वों से भरपूर होता है, जिसके सेवन से ब्लड में मौजूद कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है।

प्रोटीन को पचाने में करता है मदद

पाइनएप्पल में ब्रोमेलैन नामक कंपाउंड होता है, जो प्रोटीन को पचाने में मदद करता है। ये शरीर में प्रोटीन और अधिक फैट को ब्लड में फैलने से रोकता है, जिस वजह से कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होने लगता है। पाइनएप्पल डाइजेस्टिव सिस्टम को भी सुधारता है।

बंद आर्टरीज को खोले पाइनएप्पल

होल फूड्स इनसाइक्लोपीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाइनएप्पल में पाए जाने वाले ब्रोमेलैन ब्लड में मौजूद फैट को कम कर, बंद हो चुकी आर्टरीज को खोलने का काम करता है। हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण स्लो ब्लड सर्कुलेशन को भी सुधारता है।

ब्लड क्लॉट बनने से रोके

हाई ब्लड प्रेशर के कारण शरीर में ब्लड सर्कुलेशन काफी कम हो जाता है, जिस वजह से ब्लड में क्लॉट बनने का खतरा अधिक बढ़ जाता है। अनानास एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इनफ्लेमेटरी तत्वों से भरपूर होता है, जो ब्लड में क्लॉट बनने से रोकता है।

भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा ने अपनी कातिलाना अदाओं से बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान, यूजर्स हुए घायल

भोजपुरी स्टार मोनालिसा सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय हैं। आए दिन वे अपनी सिजलिंग और ग्लैमरस पोस्ट के साथ फैंस का दिल धड़काती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम अकाउंट से बेहद हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने सोशल मीडिया का तापमान तेज कर दिया है। मोनालिसा ने पिस्ता कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना है। लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और गोल्डन इंयररिंग्स उनपर काफी जच रहे हैं। साथ ही एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किल पोज देते दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल लही हैं और फैंस उनकी हॉटनेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

आपको बता दें मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपने फैंस के लिए वीडियो और फोटो डालती रहती हैं। उनके चाहने वाले उनकी हर अपडेट पर नजर रखते हैं। मोनालिसा बिग बॉस में भी रह चुकी हैं। वहीं भोजपुरी सिनेमा में उन्होंने अपनी अदाकारी और मेहनत के दम पर खास पहचान बनाई है। मोनालिसा ने 15 साल की उम्र में काम शुरु कर दिया था। एक समय था जब उन्होंने होटल में भी काम किया था। जहां उन्हें बहुत कम सैलरी मिलती थी। आज मोनालिसा भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप की एक्ट्रेस हैं। मोनालिसा ने करीब 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने भोजपुरी के अलावा हिंदी, बंगाली, तेलुगू, कन्नड़ और उड़िया फिल्मों में भी काम किया है।

विद्युत जामवाल की फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल, लाखों में पहुंची कमाई

विद्ययुत जामवाल की फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। उनकी फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। साथ ही अपनी एक्टिंग से भी विद्युत लोगों का दिल जीत लेते हैं। ऐसा ही कुछ उनकी फिल्म क्रैक से उम्मीदें लगाई गई थीं। पर लगता है ऐसा हो नहीं पाने वाला है। क्रैक का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल है। ये फिल्म कुछ खास कमाई ही नहीं कर पा रही है और अब छठे दिन को एकदम बुरा हाल हो गया है।

क्रैक के लिए विद्युत ने बहुत मेहनत की थी। फिल्म रिलीज होने से पहले उन्होंने जमकर इसका प्रमोशन किया था। स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म का है तो लग रहा था कि इसमें कुछ खास होगा लेकिन ये तो पहले ही दिन से कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही है। फिल्म की कमाई करोड़ों से घटकर अब लाखों में आ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक क्रैक ने छठे दिन सिर्फ 80 लाख का कलेक्शन किया है। कलेक्शन देखकर ही समझा जा सकता है कि फिल्म का कितना बुरा हाल हो गया है। क्रैक ने सिर्फ पहले दिन ही ढंग की कमाई की थी। पहले दिन फिल्म ने 4.25 करोड़, दूसरे दिने 2.15 करोड़, तीसरे दिन 2.3 करोड़, चौथे दिन 1 करोड़, पांचवें दिन 1 करोड़ का कलेक्शन किया है। जिसके बाद टोटल कलेक्शन 11.5 करोड़ हो गया है।

वीकेंड पर फिल्म से बेहतर करने की उम्मीद की जा सकती है नहीं तो क्रैक बहुत जल्द ही सिनेमाघरों से हट सकती है। क्रैक की बात करें तो इसमें विद्युत जामवाल हीरो तो अर्जुन रामपाल ने विलेन का किरदार निभाया है। इसके साथ ही नोरा फतेही और एमी जैक्शन भी हैं।

बायोपिक शैकः द डाउट में पायल घोष निभाएंगी जीनत अमान का किरदार

एक्ट्रेस पायल घोष अपकमिंग बायोपिक शैकः द डाउट में गुजरे जमाने की सुपरस्टार जीनत अमान की भूमिका निभाएंगी। मशहूर एक्ट्रेस जीनत अमान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1970 में फिल्म द एविल विदइन से की थी। जीनत अमान को हरे रामा हरे कृष्णा, यादों की बारात, कुर्बानी, दोस्ताना और डॉन जैसी कई अन्य फिल्मों में अपने काम से पहचान मिली। 72 साल की जीनत अमान, इंस्टाग्राम पर भी एक ट्रेंडिंग पर्सनालिटी बन गई हैं। इस प्लेटफॉर्म पर उन्होंने फरवरी 2023 में डेब्यू किया था। वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी विभिन्न थ्रोबैक तस्वीरें और प्रोफेशनल अपडेट शेयर करती रहती हैं। जीनत अमान के किरदार के बारे में बात करते हुए पायल घोष ने कहा, यह मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। मैं वास्तव में खुश और भाग्यशाली हूं कि मुझ पर इतना विश्वास किया गया। मैं स्क्रीन पर ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व का किरदार निभा सकती हूं। एक्ट्रेस पायल घोष ने आगे कहा, जीनत अमान एक लीजेंड हैं। स्क्रीन पर उनका किरदार निभाना आज के समय के किसी भी एक्ट्रेस के लिए सबसे बड़े अवसरों में से एक है। मैं बहुत उत्साहित हूं। इस प्रोजेक्ट में अच्छा काम करने के लिए उत्सुक हूं। मैं रोमांचित हूं। मैं अपने प्रशंसकों से बस इतना वादा करना चाहती हूं कि मैं इसके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी।

शैक : द डाउट का निर्देशन राजीव चौधरी ने किया है।

फिल्म योद्धा का ट्रेलर रिलीज, हाथ में बंदूक थाम जबरदस्त एक्शन करते दिखे सिद्धार्थ मल्होत्रा

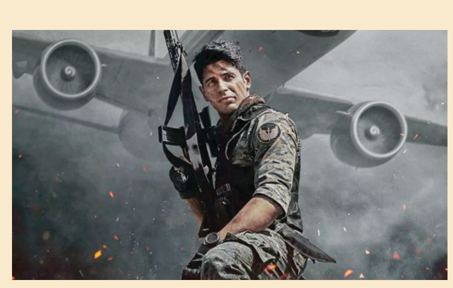

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा को पिछली बार वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में देखा गया था। सीरीज दर्शकों को पसंद आई, वहीं सिद्धार्थ के अभिनय की भी इसमें तारीफ हुई। पिछले काफी समय से सिद्धार्थ फिल्म योद्धा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म के पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद से इसके ट्रेलर को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर था। अब आखिरकार फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

ट्रेलर में सिद्धार्थ आतंकवादियों के साथ जमकर मार-धाड़ करते दिख रहे हैं। यह देख ऐसा लग रहा है कि एक्शन प्रेमियों को सिद्धार्थ एक शानदार तोहफा देने वाले हैं। वह फुल एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं।एक आर्मी अफसर के किरदार में सिद्धार्थ जंच रहे हैं। सिद्धार्थ का यह धांसू अवतार यकीनन योद्धा की रिलीज को लेकर प्रशंसकों का उत्साह दोगुना कर देगा।ट्रेलर में सिद्धार्थ और राशि खन्ना के रोमांस की झलक भी देखने को मिलती है।

योद्धा का गाना जिंदगी तेरे नाम दर्शकों को बेहद पसंद आया था। इसमें कश्मीर की वादियों में सिद्धार्थ और राशि के बीच खूबसूरत रोमांस देखने को मिला था। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशक सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा ने किया है और दोनों ने मिलकर फिल्म की कहानी भी लिखी है।इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। फिल्म में सिद्धार्थ और राशि के अलावा दिशा पाटनी भी हैं।

यह फिल्म 15 मार्च को सिनेमाघरों में आएगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज में अब तक कई बार बदलाव किया जा चुका है। सबसे पहले यह फिल्म 11 नवंबर, 2022 को पर्दे पर आने वाली थी। उसके बाद 7 जुलाई, 2023 की तारीख तय हुई। फिर 15 सितंबर, 2023 में फिल्म रिलीज करने का ऐलान हुआ। उसके बाद घोषणा हुई कि फिल्म 1 दिसंबर को रिलीज होगी। फिर 27 अक्टूबर और अब फिल्म की रिलीज तारीख 15 मार्च, 2024 तय है।

सिद्धार्थ को बॉलीवुड में लॉन्च करने वाले करण ही हैं। उन्होंने करण की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अभिनय की दुनिया में आगाज किया था। यह फिल्म 2012 में दर्शकों के बीच आई थी। इसके बाद दोनों ने हंसी तो फंसी, बार बार देखो और कपूर एंड सन्स जैसी फिल्मों में काम किया।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरन उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

जिले में 3 को मनाया जाएगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस

दंतेवाड़ा। भारत सरकार की दिशा निर्देशानुसार राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान जिले में 3 मार्च से 5 मार्च तक किया जाएगा। जिसके अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की दो बूंद की खुराक पिलाई जाएगी। जिले में कुल 41395 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके लिए समस्त आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जिले में कुल 324 पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जिनमें लगभग 600 से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कार्यक्रम का बेहतर सुपरविजन के लिए 33 पर्यवेक्षक की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही सभी ब्लॉक स्तर पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। विकासखंड स्तर पर कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन हेतु अंतरविभागीय की ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक का आयोजन कर जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जिले में मोबाइल टीम एवं ट्रांजिट टीम का भी गठन किया गया है। जिससे पहुंचविहीन क्षेत्र में पहुंचकर बच्चों का दवा पिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर संजय बसाक एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर एस मंडल ने जिले के आम जनों से अपील की है कि दिन रविवार 3 मार्च को अपने 0 से 5 वर्ष के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ में ले जाकर पोलियो की दवा अनिवार्य रूप से पिलाए।

एनसीईआरटी के शिक्षाविदों ने कमार बस्ती में जाकर किया फील्ड टेस्ट

महासमुन्द। एनसीईआरटी के प्रोफेसर डॉ. उषा शर्मा राष्ट्रीय प्रभारी सीएनसीएल, प्रशांत पांडेय सहायक संचालक एवं नोडल अधिकारी राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, एनसीईआरटी सीएनसीएल सलाहकार अमन गुप्ता एवं भावना खरे ने आज ग्राम झालखम्हरिया के कमार डेरा में जाकर पाठ्य सामग्री का फील्ड टेस्ट किया। उल्लेखनीय है कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत उल्लास केंद्र के शिक्षार्थियों का पाठ्य सामग्री का फील्ड टेस्ट हेतु महासमुंद के ग्राम झालखम्हरिया का चयन किया गया था। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण के उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम तहत असाक्षर शिक्षार्थियों हेतु एनसीईआरटी द्वारा तैयार की गई पाठ्य सामग्रियों का कमार पारा,झालखम्हरिया के असाक्षर शिक्षार्थियों हीरालाल, रमऊ, रामेश्वर, फूलमत, गया बाई, पुन्नी बाई, सूरज कमार, बैशाखू, राकेश, लोकेश्वरी, दीना, संगीता, मानकुवर, मधु कमार, रोहणी, बिमला, फूलेश्वरी, मनीषा, रामसिंग, फूलबाई, देवेंद्र के साथ एनसीईआरटी नई दिल्ली की सीएनसीएल राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. उषा शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में एनसीईआरटी के अमन गुप्ता, भावना खरे द्वारा पढ़ना लिखना गढ़ना उद्देश्य और लक्ष्य की पूर्ति हो पा रहा है या नहीं का परीक्षण किया गया। जिसमें सभी शिक्षार्थी ने उत्साह के साथ अपनी सहभागिता निभाई। पाठ्य सामग्री शिक्षार्थी को सीखने की प्रक्रिया का क्रियान्वयन करने में प्रशांत पाण्डेय सहायक संचालक एवं नोडल अधिकारी राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, मीता मुखर्जी जिला शिक्षा अधिकारी महासमुन्द, मीना पाणिग्रही प्राचार्य डाइट, रेखराज शर्मा जिला परियोजना अधिकारी जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण महासमुंद, यशवंत साहू, सरपंच ग्राम पंचायत झालखमरिया, अरुण प्रधान सहायक प्राध्यापक डाइट, लीलाधर सिन्हा बीईओ महासमुंद, सम्पा बोस एपीसी समग्र शिक्षा, गजेंद्र धुव एबीईओ, जागेश्वर सिन्हा बीआरसीसी महासमुंद, ईश्वर चंद्राकर फैकल्टी डाइट, बद्रिका ध्रुव साक्षरता नोडल अधिकारी बागबाहरा, ईश्वर कमार, अनिल ढ़ीढ़ी, गीता यादव, शशिकला निराला सहित प्रशासनिक एवं अकादमिक अमला सहायोग हेतु उपस्थित थे। फील्ड टेस्ट के पश्चात सुमित्रा राम सिंह कमार के आग्रह पर उनके घर जाकर अधिकारियों ने भोजन ग्रहण किया।

राजिम कुंभ कल्प 2024 : जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी से मेला आगंतुकों को मिल रही शासकीय योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प 2024 मेला में लोगों को शासकीय योजनाओं की जानकारी देने जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी से मेला आगंतुकों को एक ही स्थान पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी सरल और सुलभ तरीके से मिल रही है। प्रदर्शनी को मोदी की गारंटी और विष्णु का सुशासन थीम पर आकर्षक रूप से सजाया गया है। मेला आने वाले लोग प्रदर्शनी डोम में विभिन्न योजनाओं की जानकारी एलईडी में देख पा रहे है।

एलईडी डिस्प्ले से वीडियो के माध्यम से योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है। जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी स्थल में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री साय के छायाचित्र के साथ फोटो खींचाकर तत्काल निशुल्क मोबाइल में प्राप्त करने की भी सुविधा उपलब्ध है।

लोग बड़ी संख्या में आकर योजनाओं की जानकारी लेने के साथ पीएम और सीएम के साथ फोटो खिंचवा रहे है। मेला आगंतुक प्रदर्शनी स्थल में शासन द्वारा 18 लाख परिवारों के आवास स्वीकृति, महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए की सहायता, रामलला दर्शन योजना, तेंदूपत्ता का खरीदी दर 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5500 रुपए प्रति मानक बोरा, 50 लाख से अधिक नल जल कनेक्शन, युवा शक्ति को शासन द्वारा पुलिस भर्ती में दिए गए आयु सीमा में छूट एवं सीजीपीएससी में अनियमितताओं के संबंध में सीबीआई जांच का निर्णय आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर रहे है।

साधु संत भी पहुंच रहे प्रदर्शनी स्थल तक- राजिम कुंभ कल्प में देशभर से साधु संतो का आगमन शुरू हो गया है। आगंतुक संत जन मेला स्थल का भ्रमण करने के साथ जनसंपर्क प्रदर्शनी स्थल तक भी पहुंच कर योजनाओं के बारे में जानकारी ले रहे है। साथ ही राजिम मेला को पुनः राजिम कुंभ कल्प के रूप में आयोजित करने के लिए सरकार की प्रशंसा भी कर रहे है। इसी तारतम्य में सिद्धिविनायक आश्रम से आए साधुओं ने प्रदर्शनी स्थल में आकर योजनाओं की जानकारी ली। साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा भी की। इसी प्रकार रानीपरतेवा से आए ग्रामीण श्री मिथलेश सेन ने शासन द्वारा 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। उनके परिवार के रहने के लिए पक्का आवास बन चुका है।

राकेश तिवारी द्वारा रचित नृत्य नाटिका ''छत्तीसगढ़ में राम'' की प्रस्तुति ने दर्शकों को किया भाव विभोर

राजिम कुंभ कल्प मेला के पांचवे दिन मुख्य मंच पर राकेश तिवारी द्वारा रचित लोक नृत्य नाटिका ''छत्तीसगढ़ में राम'' की प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। राकेश तिवारी की टीम द्वारा नाटिका में बताया कि भगवान श्री राम छत्तीसगढ़ वासियों का भांचा है। इस नाटिका में चंदखुरी का विशेष उल्लेख किया गया। राम, लक्ष्मण और सीता वनवास के समय राजिम से बस्तर होते हुए पंचमढ़ी जाते है उनके साथ बस्तर वासी भी जहां जाते थे लेकिन भगवान राम कहते है कि मुझे ही पिताजी से आज्ञा मिली है कि उसी का पालन कर रहा हूं। इस लोक नाटिका को लोक भावुक होकर देखते रहें इस नाटिका को विभिन्न गीतों के माध्यम से राम नाम की महिमा का बखान किया गया। जिसमें फागुन गीत के धुन पर प्रभु मोर विराजे अवध में.... गीत को सुनकर दर्शक भी राम-राम जपने लगे। कार्यक्रम की अगली कड़ी रायगढ़ से पहुंचे ललित यादव ने सुगम संगीत की शुरूआत की। मिले सुर मेरा तुम्हारा तो सुर बने हमारा.... जैसे गीतों की प्रस्तुति ने समा बांधा।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं रिव्यू समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुन्द। कलेक्टर प्रभात मलिक ने आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में बैंकों के कामकाज से संबंधित जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं रिव्यू समिति की बैठक में कहा कि जरूरतमंद लोगों को आवश्यकता अनुसार आसान और सरलीकृत तरीके से ऋण उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों को शिक्षा लोन, किसानों को केसीसी लोन, छोटे व्यवसायियों के लिए मुद्रा एवं शासकीय विभागों द्वारा संचालित लोन को अविलंब स्वीकृति दें।

कलेक्टर ने जिले के बैंकों की कामकाज के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री साहू, जिला अग्रणी बैंक मैनेजर मनीष दास एवं जिले के अन्य बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद थे। कलेक्टर श्री मलिक ने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफइंडिया के निर्देशानुसार बैंकों को नकद जमा अनुपात 60 प्रतिशत तक रखना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि हितग्राहियों को उनके आवश्यकता और जरूरत के अनुसार आसानी से लोन उपलब्ध कराने में बैंकर्स सहयोग करें। जिला सहकारी बैंक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक को अधिक से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान शासकीय योजनाओं की समीक्षा में पीएम स्वनिधि योजना व प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के पात्र प्रकरणों को शीघ्रता से निराकृत करने निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत हितग्राहियों को क्लेम दिलाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन व पशुपालन, ग्रामोद्योग विभागों के प्रकरण के त्वरित निराकरण के संबंध में निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से प्रतिमाह निःशुल्क मिलेगा 300 यूनिट बिजली का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एक सरकारी योजना है जिसका मुख्य उद्देश्य भारत में घरों को मुफ्त बिजली प्रदान करना है। इस योजना को 15 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया है।

इसके अंतर्गत हितग्राहियों को उनकी छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी प्रदान की जाएगी। केन्द्र सरकार द्वारा प्रतिमाह 300 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना प्रारंभ की गई है जिसमें देश के एक करोड़ घरों के छतों पर सौर पैनल स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया गया है। इस योजना के तहत हितग्राही अपने घर की छत पर सौर पैनल स्थापित करा सकते है। इसके साथ ही विभिन्न क्षमता अनुसार सौर संयंत्र स्थापित करने पर सब्सिडी का भी प्रावधान रखा गया है तथा सस्ते ब्याज दर पर लोन भी प्रदान किया जाएगा साथ ही सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा हो जायेगा।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना हेतु क्षमतावार रूफ्टॉप सौर संयंत्र स्थापित कराने पर सब्सिडी का प्रावधान है जो इस तरह है 1 से 2 किलो वॉट रूफ्टॉप सोलर पावर प्लांट क्षमता के तहत 0 से 150 मासिक बिजली बचत यूनिट में 30,000 से 60,000 सब्सिडी का प्रावधान है। इसी तरह 0 से 3 किलो वॉट रूफ्टॉप सोलर पावर प्लांट क्षमता के तहत 150 से 300 मासिक बिजली बचत यूनिट में 60,000 से 78,000 सब्सिडी एवं 3 किलो वॉट से अधिक रूफ्टॉप सोलर पावर प्लांट क्षमता के तहत 300 से अधिक मासिक बिजली बचत यूनिट में 78,000 सब्सिडी का प्रावधान है। क्रेडा विभाग महासमुंद के जिला प्रभारी द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से कम बिजली खर्च होगा तथा आमजनों में नवीनीकृत ऊर्जा स्त्रोत्र के प्रति जागरुकता भी बढ़ेगी। योजना का लाभ लेने के लिये हितग्राही अधिकारित वेबसाईट https//pmsuryaghar.gov.in/ या pmsuryaghar App डाउनलोड कर पंजीयन कर सकते है। योजना से संबंधित अधिक जानकारी क्रेडा विभाग, जिला कार्यालय महासमुंद में संपर्क कर सकते है।

संस्कारधानी के खिलाड़ियों ने पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में मारी बाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राज्य स्तरीय बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट प्रतियोगिता दुर्ग में हुआ था आयोजित। पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज दीपक झा ने किया खिलाड़ियों को सम्मानित। सभी खिलाड़ियों को भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना के साथ दी बधाई। संस्कारधानी राजनांदगांव के खिलाड़ियों को राकेश सिंह एवं अंजू सिंह द्वारा मार्गदर्शन एवं पावर लिफ्टिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है।

दिनांक 25/02/2024 को दुर्ग में आयोजित राज्य स्तरीय बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट प्रतियोगिता में राजनांदगांव के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरआल चैंपियनशिप ट्राफी (महिला एवं पुरुष) पर कब्जा किया। प्रतियोगिता में राजनंदगांव पुलिस विभाग के श्री राकेश सिंह सहायक सेनानी आठवी बटालियन ने एक गोल्ड, एक कांस्य पदक एवं स्ट्रांग मैन का खिताब , महिला प्रधान आरक्षक अंजू सिंह ने बेंच प्रेस में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। राजनांदगांव के प्रतीश यूनुस ने बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट में गोल्ड मेडल, रागिनी साहू ने बेंच प्रेस में गोल्ड मेडल, रेहान शरीफ ने बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट में गोल्ड मेडल, बिट्टू नायक ने डेडलिफ्ट में गोल्ड मेडल, संतोष साहू ने बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट में गोल्ड मेडल साथ ही स्ट्रांग मेन का खिताब, बेन कौर ने बेंच प्रेस एवं डेडलिफ्ट में गोल्ड मेडल, तुषार शोरी ने बेंच प्रेस में ब्रोंज मेडल, चंचल गुप्ता ने बेंच प्रेस में गोल्ड, मधु कहर ने बेंच प्रेस में गोल्ड, सपना कौर ने बेंच प्रेस में गोल्ड, देवेद वर्मा बेंच एवं डेडलिफ्ट में गोल्ड, कुशाल सोलंकी बेंच एवं डेडलिफ्ट में गोल्ड, लकी ने बेंच प्रेस में गोल्ड, कृष्पी साहू ने बेंच एवं डेडलिफ्ट में गोल्ड, दीपांशु ने डेडलिफ्ट में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। दीपक झा के द्वारा सभी विजेता खिलाड़ियों का अपने कार्यालय में सम्मानित किया गया तथा सभी खिलाड़ियों को भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। विजेता खिलाड़ियों ने अपनी जीत का श्रेय पुलिस विभाग के सहायक सेनानी श्री राकेश सिंह तथा महिला प्रधान आरक्षक अंजू सिंह को दिया।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कुआकोंडा में छात्र क्षय रोग से हुए जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला क्षय अधिकारी के मार्गदर्शन में केंद्र एवं राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कुआकोंडा में क्षय रोग के प्रति जनजागरूकता चलाया गया। जिसमें देश के प्रधानमंत्री के मंशा अनुरूप 2025 तक क्षय मुक्त भारत लक्ष्य के तारतम्य में दंतेवाड़ा जिले में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कुआकोंडा में विद्यार्थियों को क्षय रोग की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि क्षय एक संक्रामक बीमारी है जो कि हवा के माध्यम से सक्रिय जीवाणु एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को संक्रमित करते है। मुख्य रूप से क्षय दो प्रकार के होते है पल्मोनरी, एवं एक्स्ट्रा पल्मोनरी, क्षय रोग से संक्रमित व्यक्ति में लगातार दो सप्ताह से ज्यादा खांसी, शाम को तेज बुखार आना, भूख कम लगना, लगातार वजन घटना, छाती में दर्द होना, रात को पसीना आना, बलगम के साथ खून आना।जैसे शुरुआती लक्षण पाए जाते है,इसके साथ ही इसके इलाज की भी विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि इस बीमारी का सभी शासकीय अस्पताल में या निजी चिन्हित अस्पतालों में निशुल्क इलाज होता है। और कम से कम 6 माह तक इसकी दवाई (डॉट्स) का सेवन करने से बीमारी छुटकारा पा सकते है। चूंकि छात्र, शिक्षित एवं समझदार पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते है इसलिए छात्रों को जागरूक करते हुए समझाइश दी गई कि किसी व्यक्ति या छात्र में लक्षण दिखने पर तत्काल अपने शिक्षक या मितानिन,स्वास्थ्य कार्यकर्ता,को सूचित करते हुए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में इलाज हेतु प्रेरित करें इसके अलावा समस्त छात्रों को शपथ भी दिलाया गया। रविन्द्र कर्मा टीबी मितान, समस्त शिक्षक, स्टाफनर्स,उपस्थित थे।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए शासन की योजनाओं का लाभ- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा ने जिले के अकलतरा विकासखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त रूप से लगाए गए दिव्यांगता जांच शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने दिव्यांग बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र, हेल्थ किट, उपकरण, व्हीलचेयर का वितरण किया।

उन्होंने शिविर के अन्तर्गत दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड पंजीयन के लिए एवं ब्लॉक स्तरीय मेगा दिव्यांग शिविर के माध्यम से शत प्रतिशत स्कूली विद्यार्थियों का प्रमाणपत्र बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। शिविर में 199 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें पात्रतानुसार स्कूल विद्यार्थियों का प्रमाणीकरण करते हुए प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अकलतरा एवं पोषण पुनर्वास केंद्र अकलतरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र की कनिका, हिशिता केवट को गोद में उठाकर दुलार किया और करते चॉकलेट के साथ गुलाब का फूल भी दिया।

कार्यक्रम को कलेक्टर ने संबोधित करते हुए कहा कि शिविर के माध्यम से शासन की योजनाओं का अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए और इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। और आयुष्मान कार्ड के लिए लगाए जा रहे शिविर में सभी पात्र हितग्राहियों का कार्ड बनाया जाए और इससे स्वास्थ्य के लिए मिलने वाली सुविधा का लाभ हितग्राही उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से कई तरह की सुविधाएं दी जा रही है। इनमें महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य योजनाओं से जुड़े श्रमिकों का पंजीयन करते हुए श्रमिक कार्ड बनाया जा रहा इसके अलावा पीएम विश्वकर्मा योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ श्रमिक आसानी से उठा सके।

इस दौरान शिविर में कलेक्टर ने मुस्कान भैना, कमलेश्वरी, नीतू सोनझरी, जय कुमार सोनवानी, नीलम रात्रे, राम प्रकाश, मधु साहू गीता कश्यप, प्रेम नायक कृष्णकुमार साहू, अनुराग यादव, कृष्ण कुमार साहू, दीपू कैवर्त, सृष्टि कुमार चौधरी को विभिन्न उपकरण का वितरण किया। शिविर में अस्थिबाधित, दृष्टिबाधित, बहुविकलांग, मानसिक विकलांग, मूकबधिर सहित अन्य दिव्यांग व्यक्तियों का चिन्हांकन, मूल्यांकन तथा परीक्षण किया गया।

इस दौरान कलेक्टर छिकारा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों से स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए उन्होंने कहा कि मरीजों दी जाने वाली सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ अनिल जगत, एमसी आर के तिवारी, अनिल जगत, डीपीएम उत्कर्ष तिवारी, एसडीएम अकलतरा, बीईओ, बीएमओ सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नाबालिग छात्रा ने हॉस्टल में दिया बच्चे को जन्मः गड्ढा खोदकर गाड़ा, जांच में लड़की और लड़का दोनों नाबालिग

कोरिया (ए)। कोरिया जिले के गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही नाबालिग छात्रा प्रेग्नेंट हो गई। उसने हॉस्टल में ही प्री मैच्योर मृत बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद छात्रा ने मृत नवजात का शव हॉस्टल से बाहर गड्ढा खोदकर गाड़ दिया। पुलिस ने शव को बरामद कर उसका पोस्टमॉर्टम कराया।

जानकारी के मुताबिक, कोरिया जिले के सोनहत थाना क्षेत्र में पुलिस को गर्ल्स हॉस्टल के पास मृत नवजात शिशु का शव जमीन में गड्ढा खोदकर गाड़े जाने की सूचना मिली। पुलिस ने गुरुवार को शव बरामद किया। जांच में पता चला कि गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही नाबालिग ने प्री मैच्योर बच्चे को जन्म दिया था। छात्रा की शिनाख्त कर ली गई है। छात्रा बच्चे के जन्म के बाद अपने घर चली गई थी। छात्रा और उसकी मां को थाने बुलाकर उनका बयान दर्ज किया गया। वहीं नवजात के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पहले जिला अस्पताल बैकुंठपुर ले जाया गया। जिला अस्पताल की शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ पल्लवी पैकरा ने बताया कि अज्ञात कन्या शिशु के पोस्टमॉर्टम का मामला गुरुवार को आया था। ऐसे मामले में उम्र और डीएनए जांच की व्यवस्था बैकुंठपुर में नहीं होने के कारण शव को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में नवजात के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार, नाबालिग छात्रा के साथ संबंध बनाने वाला आरोपी भी नाबालिग है। मामले में चरचा पुलिस ने छात्रा के बयान के आधार पर धारा 363, 366, 376, 376 (2)(n) IPC और 6 पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने गुरुवार शाम को छात्रा और उसके परिजन का बयान दर्ज किया है। एसडीओपी कविता ठाकुर ने कहा कि दोनों नाबालिग हैं। कम उम्र के कारण छात्रा समझ नहीं पाई और प्रसव हो गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि नवजात कितने माह का है।

दुर्ग रेंज के पहले साइबर थाने में शुरू हुई 30 लाख की ठगी की जांच, टेलीग्राम पर ग्रुप ज्वाइन कराकर की गई थी धोखाधड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग रेंज के आईजी राम गोपाल गर्ग के द्वारा सायबर थाना में पहली सायबर विवेचना शुरू कर दी गई है। इस विवेचना के माध्यम से पुलिस विभाग ने ठगी और अन्य सायबर अपराधों के मामलों को सकारात्मक रूप से निपटने का निर्णय लिया है। पुलिस महानिरीक्षक ने 30 लाख से अधिक की सायबर ठगी के मामले को संज्ञान में लेते हुए सायबर थाने में विवेचना में लिया गया है। इस मामले में, ठग टेलीग्राम के माध्यम से लोगों को धोखा देते थे एवम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में डेली टास्क देकर अधिक लाभ कमाने का लालच देकर ठगी करते थे। इस मामले मामले पर सायबर थाने में धारा 420 व सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2008 की धारा 66 डी के तहत विवेचना प्रारंभ को गई है।

बता दें पुलिस महानिरीक्षक ने हाल ही में दुर्ग रेंज का चार्ज संभालते हुए साइबर थाने को एक्टिवेट करने का निर्णय लिया था, जिसके तारतम्य में एसओपी जारी की गई थी, जिसके तहत 5 लाख से अधिक के सायबर फ्रॉड को सायबर थाने में विवेचना के लिए देने का निर्णय लिया गया था। सायबर थाना दुर्ग रेंज प्रभारी प्रशांत मिश्रा को फिलहाल 30 लाख की ठगी से जुड़ा मामला विवेचना के लिए दिया गया है। आईजी गर्ग ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी लालच के झांसे में न आए और संदिग्ध साइबर गतिविधि को तुरंत पुलिस को सूचित करने का आग्रह किया है।

एमपी-सीजी पुलिस की संयुक्त टीम शातिर ठग को किया गिरफ्तार, अब तक कर चुका 2.45 करोड़ रुपये की ठगी

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार को एक ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दोनों राज्य में 2.45 करोड़ रुपये की ठगी की है। इसके गिरोह के अन्य सदस्य को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार किया था। गुरुवार को पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसी गिरोह ने कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के एक रिटायर्ड कर्मचारी से पांच लाख रुपये की ठगी की थी।

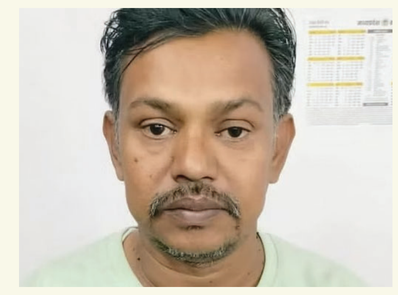

सहसपुर लोहारा थाना के एएसआई संदीप चौबे ने बताया कि पीड़ित घनश्याम राम साहू निवासी ग्राम गगरिया खम्हरिया थाना सहसपुर लोहारा ने 16 नवंबर 2023 को शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने अपने शिकायत में बताया था कि क्रेडिट कार्ड बंद कराने के नाम से ओटीपी देकर आरोपी ने चार लाख रुपये की ठगी की। इस मामले में पुलिस ने 420 का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी सुजीत चौधरी निवासी नई बस्ती सुभाष नगर बगियाटोला रांझी थाना रांझी जबलपुर (एमपी), राजा ऊर्फ गुलाम हसनैन निवासी मक्का नगर मक्का मस्जिद के पास संजय गांधी वार्ड आधारताल थाना हनुमानताल जबलपुर (एमपी), गौरव मरावी निवासी कांचघर पुलिस लाईन दुर्गा मंदिर ठाकुर आटा चक्की पास थाना घामापुर जबलपुर (एमपी) को 15 जनवरी 2024 को गिरफ्तार किया था। अब गुरुवार को इसी मामले में चौथे आरोपी इफ्फीखार निवासी हनुमानताल थाना हनुमानताल जिला जबलपुर (एमपी) को गिरफ्तार किया है। आरोपी द्वारा अभी तक मध्यप्रदेश मे 2 करोड 40 लाख रुपये व छत्तीसगढ मे 5 लाख रुपये की ठगी की जा चुकी है। इन लोगों के द्वारा क्रेडिट कार्ड, लक्की ड्रा, ऑनलाइन नौकरी समेत अन्य प्रकार से साइबर ठगी करते थे। गिरफ्तार आरोपी के पास से मोबाइल व अलग-अलग फ्रॉड करने संबंधी संदिग्ध वस्तु बरामद की गई है। केंद्रीय जेल जबलपुर (एमपी) से फॉर्मल गिरफ्तारी की गई है।

शराब देने से मना करने पर मां की हत्याः बेटे ने कुल्हाड़ी से काटा गला, आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर (ए)। बलरामपुर जिले में बुधवार की शाम शराब देने से मना करने पर युवक ने मां की कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। परिजनों को भी युवक ने टांगी लेकर दौड़ा दिया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, चांदो थाना क्षेत्र के ग्राम चुरूंडा में बुधवार शाम 6 बजे दीप नारायण सारस (38) जंगल से लकड़ी काटकर घर लौटा। उसने अपनी मां सुबेचनी बाई (60) से महुआ शराब की मांग की। उसकी मां ने शराब देने से इंकार कर दिया। बेटे को उसने डांटते हुए वहां से जाने के लिए कहा। इससे आक्रोशित होकर दीप नारायण सारस ने लकड़ी काटने की कुल्हाड़ी से मां सुबेचनी बाई पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। शोर सुनकर सुबेचनी की बेटी और बहू बीच-बचाव के लिए पहुंचे, तो आरोपी दीप नारायण सारस ने उन्हें भी टांगी लेकर मारने के लिए दौड़ाया।

गांजा तस्करी के आरोपी 3 साल बाद सुकमा से गिरफ्तार, पुलिस को चकमा देकर भाग गए थे दोनों

कबीरधाम (ए)। कवर्धा जिले के बोड़ला पुलिस ने फरार आरोपी करण सोढ़ी और राजू मरकाम को गिरफ्तार कर लिया है। तीन साल पहले 30 किलो गांजे की तस्करी करते समय पुलिस को चकमा देकर दोनों भाग गए थे।

पुलिस ने बताया कि 31 मार्च 2021 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 2 आरोपी बाइक से गांजा लेकर रायपुर से जबलपुर की ओर जा रहे हैं। पुलिस ने सूचना मिलते ही रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे-30 पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ने की तैयारी में थी।

जंगल में बाइक और गांजा छोड़कर भाग गए थे आरोपी

लेकिन आरोपी बहुत शातिर थे। पुलिस के पहुंचने से पहले ही जंगल के रास्ते भागने लगे। पुलिस भी आरोपी का पीछा करते जंगल में गई, लेकिन आरोपी गांजा और बाइक छोड़कर भाग निकले थे। पुलिस बाइक के नंबर के आधार पर आरोपियों की 3 साल से लगातार तलाश कर रही थी, लेकिन कुछ पता नहीं चला। अब जाकर आरोपी पुलिस गिरफ्त में आए हैं।

सुकमा में छुपे हुए थे

बोड़ला थाना प्रभारी उमाशंकर राठौर ने बताया कि बाइक रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही थी। बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली कि गांजा तस्करी के फरार आरोपी करण सोढ़ी और राजू मरकाम सुकमा में छुपे हुए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम सुकमा पहुंची और फरार दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कवर्धा लाऐ जाने के बाद न्यायालय में पेश कर ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

छात्रावास में छात्र ने दे दी जान, कलेक्टर ने अधीक्षक को किया निलंबित और मांगी रिपोर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

पथरी के दर्द से था परेशान, कलेक्टर ने कहा यह बेहद दुखद

अंबिकापुर। असरगुजा जिले के विकासखंड अंबिकापुर में प्रीमैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास दरिमा में छात्र की आत्महत्या के मामले पर कलेक्टर विलास भोस्कर एवं पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने तत्काल संज्ञान लिया और स्वयं जिला चिकित्सालय पहुंचे। कलेक्टर ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता बरतते हुए त्वरित कार्यवाही हेतु तीन डॉक्टरों की टीम के द्वारा पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। टीम को सभी पॉइंट की विस्तृत जांच कर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने बताया कि छात्रावास अधीक्षक की घोर लापरवाही के मद्देनजर अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इसके साथ ही मामले की जांच में कोई बिंदु ना छूटे, इसके लिए एसडीएम अंबिकापुर को मजिस्ट्रियल जांच हेतु अधिकृत किया गया है। एसडीएम अंबिकापुर को तीन दिन में विधिवत जांच कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा। कलेक्टर ने कहा कि बच्चे बेहद संवेदनशील होते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए पालकों से भी अपील है कि बच्चों की मन:स्थिति को समझें। साथ ही स्कूल, छात्रावास प्रबंधन को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं कि बच्चों को किसी भी तरह की समस्या होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को सूचना दें। एसपी अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के मामलों पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा शिक्षक एवं स्कूल, छात्रावास प्रबंधन से बात की जाएगी। बच्चों के मानसिक तनाव को कम करने का प्रयास किया जाएगा। बच्चों के साथ संवेदशीलता के साथ व्यवहार करना चाहिए। बच्चों की मनोस्थिति को समझने स्कूलों में मेंटल हेल्थ केयर के स्पेशलिस्ट की मदद ली जाएगी।

लापरवाही के लिए छात्रावास अधीक्षक निलंबित

कलेक्टर सरगुजा द्वारा प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास दरिमा के छात्रावास अधीक्षक भूपेश सिंह कश्यप, छात्रावास अधीक्षक श्रेणी स को अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरते जाने स्वरूप तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उक्त अधीक्षक का कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम एक एवं दो के विपरीत होने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के नियम 9 (एक) (क) के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग अंबिकापुर निर्धारित किया गया है।

एसडीएम अंबिकापुर को मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सरगुजा द्वारा घटना की मजिस्ट्रियल जांच हेतु एसडीएम अंबिकापुर फागेश सिन्हा को विस्तृत जांच करने अधिकृत किया गया है। एसडीएम अंबिकापुर मृत्यु के दृश्यमान कारणों की विधिवत जांचकर तीन दिनों के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि उक्त घटना की जांच हेतु दो सदस्यीय समिति गठित की गई है। जिसमें सहायक संचालक अंकिता मरकाम और सहायक संचालक महेंद्र पाल खांडेकर शामिल हैं, जो घटना की सूक्ष्म जांचकर जांच प्रतिवेदन तीन दिवस के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

पथरी बीमारी से जुझ रहा था छात्र

प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास दरिमा में कक्षा आठवीं के छात्र मुकेश तिर्की पिता रामजी तिर्की 13 वर्ष, निवासी बिशुनपुर सीतापुर के द्वारा कमरे के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में बुधवार को सामने आया था। पुलिस और परिजनों के मुताबिक, छात्र पिछले दो वर्षों से पथरी की बीमारी से जुझ रहा था। तकलीफ बढ़ने पर वह तीन दिन से स्कूल नहीं गया। हॉस्टल में ही था। बुधवार को स्कूल से वापस लौटे अन्य छात्रों ने कमरे का दरवाजा बंद देख शोर मचाया। जिससे अनहोनी की आशंका पर रोशनदान से झांक कर देखने पर वह फांसी पर झुलता मिला। अनुमान लगाया जा रहा है कि पथरी बीमारी से तंग आकर छात्र ने फांसी लगाई होगी। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, मुकेश तिर्की पिछले दो वर्षों से हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था।

परिजन जड़ी बूटी से करा रहे थे इलाज

बताया जा रहा है कि छात्र मुकेश दो साल से पथरी की बीमारी से जुझ रहा था। परिजन जागरूकता अभाव में पुत्र का चिकित्सालय में भली भांती उपचार कराने के बजाए गांवों में ही जंगली जड़ी बूटियों के माध्यम से उपचार कर रहे थे। बताया जा रहा है कि छात्र को तकलीफ होने के बावजूद छात्रावास कर्मियों के द्वारा छात्र के इलाज के लिए कोई उचित कदम नहीं उठाया गया। ना तो चिकित्सालय लेकर गए और ना ही चिकित्सक का परामर्श ले उपचार ही शुरू कराया गया। यह बात सामने आई है किअत्यधिक दर्द होने पर अधीक्षक के द्वारा मेडिकल स्टोर से दर्द की दवा ले जाकर दे दी गई। लेकिन छात्र को कोई राहत नहीं मिली। जिससे तंग आकर उसने यह कदम उठाया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बालोद (छ.ग.)

Har Ghar Jal
Jal Jeevan Mission

निविदा क्र. 76 से 87/ले.शा./ज.जी.म/ का.अ. /लो.स्वा.यां.खण्ड/ 2024 बालोद, दिनांक : 27-02-2024

ई-प्राक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर नीचे उल्लेखित कार्य के लिये कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद द्वारा के एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई-रजिस्ट्रेशन कीं **सक्षम श्रेणी** में पंजीकृत ठेकेदारों से आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण-बालोद जिले के वि.खं. गुण्डरदेही, डौण्डी तथा डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत नलकूप खनन का कार्य।

	नि.सू. क्रं./सिस्टम नं	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	76/153425	विकासखंड गुण्डरदेही के विभिन्न ग्रामों में 13 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 14.04 लाख
2	77/153426	विकासखंड गुण्डरदेही के विभिन्न ग्रामों में 13 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 14.04 लाख
3	78/153427	विकासखंड गुण्डरदेही के विभिन्न ग्रामों में 14 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 15.12 लाख
4	79/153428	विकासखंड गुण्डरदेही के विभिन्न ग्रामों में 14 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 15.12 लाख
5	80/153429	विकासखंड गुण्डरदेही के विभिन्न ग्रामों में 14 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 15.12 लाख
6	81/153430	विकासखंड डौण्डी के विभिन्न ग्रामों में 12 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 12.96 लाख
7	82/153431	विकासखंड डौण्डी के विभिन्न ग्रामों में 12 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 12.96 लाख
8	83/153432	विकासखंड डौण्डी के विभिन्न ग्रामों में 11 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 11.88 लाख
9	84/153433	विकासखंड डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में 13 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 14.04 लाख
10	85/153434	विकासखंड डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में 13 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 14.04 लाख
11	86/153435	विकासखंड डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में 12 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 12.96 लाख
12	87/153436	विकासखंड डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में 12 नग नलकूप खनन का कार्य।	रू. 12.96 लाख

1. बिड सबमिशन प्रारंभ की तिथि –01/03/2024
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि –18/03/2024

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल **http://eproc.cgstate.gov.in** दिनांक **01/03/2024** से एवं कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखे जा सकते है ।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद
जिला-बालोद (छ0ग0)

जी-08182/5

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9303289950, 9827806026
8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

निगम के अधिकारी व कर्मचारियों को वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य

भिलाई। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने निगम के सभी अधिकारी कर्मचारियो को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करने हेतु निर्देश पत्र जारी किये है। कलेक्टर दुर्ग के परिपत्र 1029 के परिपालन में आयुक्त ने जारी निर्देश मे कहा है कि निगम अधिकारी कर्मचारियो को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करना अनिवार्य होगा। यातायात नियमो का अंदेखा करने वालो पर पुलिस द्वारा कि जाने वाली कार्रवाई के अलावा विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई भी किया जावेगा।

हितग्राही अपने बैंक खाते में जल्द करावें डीबीटी

भिलाई। महतारी वंदन योजना का लाभ हितग्राही को DBT (Direct Benifit Transfer) के माध्यम से भुगतान किया जाना है। इस हेतु हितग्राहियों के बैंक खाते में सीधे राशि हस्तांतरण प्रणाली से जुडा होना आवश्यक है। हितग्राहियो को अपने संबंधित बैंक शाखा में DBT ENABLE FORM भरकर प्रक्रिया पुरी करानी होगी। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत लगभग 19000 आवेदिकाओ के बैंक खाते सीधे राशि हस्तांतरण सुविधा (DBT ENABLE) जुडे नही है। जिसकी सूची निकट के आंगनबाड़ी केन्द्र में उपलब्ध कराया गया है । जहाँ हितग्राही संपर्क कर जानकारी ले सकते है। संबंधित हितग्राहियो को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा टेलीफोन के माध्यम से सूचित भी किया जा रहा है।

मेन्टनेस कार्य के लिए सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक फिल्टर प्लांट की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर दुर्ग के छत्तीसगढ़ विद्युत मण्डल द्वारा दिनांक- 01 मार्च दिन, शुकवार को मेन्टनेस का कार्य किया जा रहा है।एव उक्त दिनांक को सुबह 10.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक फिल्टर प्लांट की विद्युत सप्लाई बंद रखा जा रहा है,जिसके कारण फिल्टर प्लांट बंद रहेगा।अतएव पूरे शहर की पानी टंकी भरा नहीं जा सकेगा।इस हेतु दिनांक- 01 मार्च 2024 को सुबह जलप्रदाय किया जावेगा एवं शाम को जलप्रदाय प्रभावित रहेगा। एवं दूसरे दिवस वाटर सप्लाई समय रूप से जारी रहेगी।

चुनाव की तैयारी लेकर बैठक कल

भिलाई । ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सुपेला कोसा नगर के द्वारा 2 मार्च को सुपेला नेहरू भवन में शाम 6:00 बजे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित किया गया है। बैठक में भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर पूर्व राज्य मंत्री बीडी कुरैशी पूर्व सा डा उपाध्यक्ष बृजमोहन सिंह एवं जिले के कांग्रेस के जनप्रतिनिधि इस बैठक में उपस्थित रहेंगे। बैठक की जानकारी देते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सुपेला कोसा नगर के अध्यक्ष नंदकुमार कश्यप ने जानकारी दिया कि आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए यह बैठक आयोजित किया गया है। बैठक में ब्लॉक के बूथ के सभी अध्यक्ष जोन अध्यक्ष वार्ड अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस जन शामिल होंगे इस बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस जनों के द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव जीतने का टिप्स देने की बात उन्होंने कही जैसा की हर बार की तरह इस बार भी वैशाली नगर विधानसभा में कांग्रेस के कार्यकर्ता गण मजबूती के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के जीत दिलाने कार्य करेंगे।

भिलाई की बेटी सौम्या की खुदकुशी मामले की होगी उच्च स्तरीय जांच, शून्य काल में विधायक रिकेश ने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । भिलाई की बेटी की उसके ससुराल बसना में दहेज हत्या किए जाने का मामला विधानसभा के द्वितीय सत्र में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने शून्यकाल में उठाया। इस मामले छत्तीसगढ़ गृह विभाग ने तत्काल कड़ाई से जांच के आदेश दिए हैं। पहले पुलिस की ओर से मामले को दबाने के लिए इसे आत्महत्या बताया जा रहा था लेकिन मृतका के 9 साल के बेटे का एक विडियो सामने आने के बाद विधायक रिकेश सेन ने मामले में हस्तक्षेप कर इसे दहेज हत्या बताया था।

दो माह पूर्व दिसंबर की इस घटना में पुलिस ने धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए दुष्प्रेणन का अपराध दर्ज किया था। मृतका ने एक विडियो भी बनाया था जिसमें साफ़ बताया गया था कि किस तरह उसे प्रताड़ना मिलती रही है। विधायक रिकेश की पहल पर पुलिस ने आरोपी पति व सास ससुर सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया था। मृतका का भिलाई में 9 दिसम्बर को अंतिम संस्कार किया गया था। विधानसभा में ध्यानाकर्षण के बाद अब मामले की जांच होने से अनेक पहलुओं का खुलासा होगा तथा दहेज हत्या के तहत धाराएं बढ़ने की संभावना है।

दिसंबर 2013 में हुई थी सौम्या की शादी

इस घटना के बाद वैशाली नगर भिलाई के गौरव वर्मा ने बताया था कि उसकी बहन सौम्या सलूजा की शादी दिसंबर 2013 में पूरे रीति रिवाज से बसना निवासी गौरव सलूजा पिता रंजीत सलूजा के साथ हुई थी। शादी में उसके पिता ने हैसियत के मुताबिक 15 तोला सोना, ढाई लाख रुपए नगद व दहेज का पूरा सामान दिया था लेकिन उसके पति सहित सास ससुर व ननद उसे कम दहेज लाने की बात को लेकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे। हद तो तब हो गई जब उन्होंने 25 लाख रुपए की डिमांड को लेकर बहन को बुरी तरह मारा। जब बहन ने अपना दर्द पिता को बताया तो पिता ने दामाद गौरव सलूजा के अकाउंट में 10 लाख रुपए डाले। इतना करने के बाद भी उनकी प्रताड़ना कम नहीं हुई। इस दौरान 2014 में उसकी बहन को एक बेटा हुआ। इसके बाद गौरव का दूसरी महिला से अवैध संबंध के बारे में बहन को पता चला। जब उसने विरोध किया तो वो उसे और प्रताड़ित करने लगा। इसके बाद सौम्या ने कीटनाशक पीकर खुदकुशी करने की कोशिश भी की थी लेकिन ससुराल वालों ने उसे प्रताड़ित करना बंद नहीं किया। वर्ष 2017 में दूसरा बेटा होने के बाद गौरव ने सौम्या को जान से मारने की धमकी देते हुए गला दबाया और बुरी तरह पीटा।

1 दिसंबर 2023 को उसकी बहन का फोन आया था कि ये लोग उसे मार डालेंगे। इस पर गौरव ने बसना पुलिस को फोन किया, 112 की टीम वहां पहुंची। उन्होंने देखा कि सौम्या को काफी चोटे आई थीं। मामला किसी तरह बीच बचाव के बात शांत हुआ। इसके बाद 8 दिसंबर 2023 को गौरव ने बहन के मोबाइल का स्टेटस देखा कि उसने अपने दोनों बच्चों का नाम और मां पिता को सारी कहते हुए लिखा आई एम क्विट।

भाई ने लगाया था ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

गौरव ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन ने खुदकुशी नहीं की है। उसके बहनोई और ससुराल वालों ने मिलकर उसकी हत्या की है। गौरव का कहना है कि उसके भांजे ने अपने पापा को मां का गला दबाते हुए देखा है। सौम्या के शरीर में चोट के निशान थे। गौरव ने बसना थाने में शिकायत के बाद बहन के शव को अपने सुपुर्दगी में लिया और वैशाली नगर लेकर आए। 9 दिसम्बर को सौम्या का रामनगर मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। सौम्या के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी को दहेज के लालच में मारा गया है। विधायक रिकेश सेन ने बताया कि इस मामले को विधानसभा पटल पर लाने के बाद गृह मंत्रालय ने उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों और उन्हें मदद करने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि जांच से वास्तविकता सामने आएगी तथा पीड़ित परिवार के साथ न्याय होगा।

विधायक गजेंद्र ने खेली क्रिकेट, कहा- बचपन याद आ गया, बच्चों की डिमांड पर दिया क्रिकेट किट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रविशंकर स्टेडियम के पास दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव गुरुवार को बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते दिखे। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजी व बल्लेबाजी में हाथ आजमाया और 12 गेंदों पर 17 रन बना दिये। अचानक विधायक को अपने बीच पाकर बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। खेल-खेल में बच्चों ने विधायक से क्रिकेट किट की मांग कर दी। विधायक बच्चों की डिमांड पर उन्हें क्रिकेट किट खरीदकर उपहार स्वरूप दिया।

इस दौरान विधायक गजेंद्र यादव ने कहा कि बच्चों के साथ यूं क्रिकेट खेलने से उनका बचपन याद आ गया। ऐसे ही गली मोहल्ले में वे अपने साथियों के साथ क्रिकेट खेला करते थे। उन्होंने कहा कि बच्चों को क्रिकेट खेलते देख वे खुद को रोक नहीं पाए और खुद खेलने चले गए। थोड़ी देर के खेल में उनकी सारी थकान दूर हो गई।

खेल पूरा होने के बाद बच्चों ने क्रिकेट किट की। इस पर विधायक गजेन्द्र यादव खेल सामग्री वाली दुकान पहुंचे और बच्चों के लिए बैट, बॉल, स्टम्प सहित क्रिकेट खेल सामग्री उपलब्ध कराई। जाते जाते सभी बच्चों को विधायक ने उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही यह भी कहा कि स्वस्थ शरीर और सेहतमंद बने रहने के लिए कोई भी एक खेल को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

न्यौता भोजन का आयोजन पुरई में सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में सचदेवा न्यू पीटी कालेज एवं माय एफएम के सौजन्य से एक नई पहल के तहत् '' दिन बढ़ा है, दिल बड़ा कर'' कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरई में किया गया। न्यौता भोजन के तहत एस.पी. जितेन्द्र शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल द्वारा विद्यार्थियों को भोजन परोसा गया तद्उपरांत साथ में भोजन भी किया। एस.पी. शुक्ला द्वारा बच्चों को सड़क सुरक्षा व नशा मुक्ति हेतु संदेश

दिया गया। इस कार्यक्रम में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी गोविन्द साव, ग्राम की सरपंच श्रीमती उमा रिंगरी, फ्लोटिंग क्लब के कोच ओम ओझा, माध्यमिक व हाई/ हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य व समस्त शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित थे।

सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने दी भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से फरवरी 2024 माह में सेवानिवृत्त हो रहे कार्यपालकों व कर्मचारियों को विभिन्न स्थानों में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। भिलाई इस्पात संयंत्र में फरवरी 2024 माह में कुल 75 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिसमें कुल 13 कार्यपालक, 62 गैर-कार्यपालक शामिल है। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में खदान बिरादरी के सदस्य भी शामिल हैं। संयंत्र के कार्मिकों हेतु गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन 29 फरवरी 2024 को भिलाई निवास के बहुउद्देषीय सभागार में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित भिलाई इस्पात संयंत्र की मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) संदीप माथुर, महाप्रबंधक एस के सोनी द्वारा कार्मिकों को सेवानिवृत्ति आदेष प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से फरवरी 2024 माह में सेवानिवृत्त हो रहे कार्यपालकों को विगत दिनों इस्पात भवन के निदेशक प्रभारी सभागार में आयोजित

समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेषक पवन कुमार ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेष प्रदान किया।

श्री दासगुप्ता ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों और खनिज नगरों में पदस्थ कुल 75 कर्मचारी अपनी लम्बी सेवा के बाद 29 फरवरी 2024 को सेवानिवृत्त हुए। विदा होने वाले इस्पात बिरादरी को संयंत्र प्रबंधन ने उनके योगदान को रेखांकित करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की।

रिफ्रैक्टरी मैटेरियल्स प्लांट-3 ने 20 लाख टन संचयी उत्पादन के मील के पत्थर को पार किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रिफ्रै क्टरी मैटेरियल्स प्लांट-3 (आरएमपी-3) ने 24 फरवरी 2024 को 20 लाख टन संचयी उत्पादन का मील का पत्थर पार कर लिया है। भिलाई इस्पात संयंत्र में मॉडेक्स प्लान के तहत स्थापित एक नई और आधुनिक इकाई, आरएमपी-3 का प्राथमिक कार्य फ्लक्स का कैल्सीनेशन करना है।

इस कैल्साइंड फ्लक्स को स्टील मेल्टिंग शॉप-3 को स्टील के शुद्धिकरण के लिए आपूर्ति की जाती है। इस्पात निर्माण की दैनिक मांग को पूरा करने के लिए उचित फ्लक्स जैसे लाइम और कैल्साइंड डोलोमाइट की उपलब्धता आवश्यक है। ज्ञात हो कि हाल ही में 11 फरवरी 2024 को आरएमपी-3 ने 2145 टन का अपना उच्चतम दैनिक उत्पादन हासिल कर, 31 अक्टूबर 2023 को दर्ज 2105 टन के पिछले रिकॉर्ड को पार कर लिया था। उल्लेखनीय है कि आरएमपी 3 ने वर्ष 2023-24 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ वार्षिक उत्पादन 4,96,302 टन को, वर्तमान वर्ष 2023-24 के पूरा होने से दो महीने पहले ही हासिल कर लिया है।

आरएमपी-3 पांच वर्टिकल पीएफआर प्रकार के गैस-चलित किल्नस और नवीनतम तकनीक से सुसज्जित है, जो इसे सबसे किफायती विकल्प बनाता है। आरएमपी-3 बिरादरी उत्पादन और संयंत्र की फ्लक्स की मांग को पूरा करने के लिए समर्पित हैं।

उल्लेखनीय है कि जहां आरएमपी-3 ने 12 जून 2018 को अपने कमीषनिंग के बाद से 47 महीनों में 10 लाख टन संचयी उत्पादन का आंकड़ा पार किया, वहीं शॉप्स ने अगले 10 लाख टन उत्पादन का आंकड़ा केवल 21 महीने में हासिल कर लिया। महाप्रबंधक प्रभारी (एलडीसीपी और आरएमपी-2 और 3) रतन मुखर्जी ने कहा कि यह उपलब्धियां संयंत्र की फ्लक्स की मांगों को पूरा करने के लिए आरएमपी-3 की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने सभी सहयोगी विभागों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

महतारी वंदन योजना : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के खाते में आएगी राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महतारी वंदन योजना के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आगामी 8 मार्च को पात्र महिला हितग्राहियों को डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जाएगा। योजना अंतर्गत पात्र महिला को प्रतिमाह 1000 रुपए यानी हर साल 12 हजार रूपए का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। इस योजना के तहत एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 01 अंतर्गत लगभग 108998 आवेदन मिले हैं।

महतारी वंदन योजना अंतर्गत अनंतिम दावा आपत्ति की समयावधि खत्म होने के बाद अब प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण किया जा रहा है।

दावा आपत्ति का निराकरण 29 फरवरी तक किया जाएगा। अंतिम सूची का प्रकाशन एक मार्च को होगा और स्वीकृति पत्र 2 मार्च को जारी होगा। पात्र हितग्राहियों की अनंतिम सूची जारी होने के बाद हितग्राही संबंधित आंगनबाड़ी केन्द्र या ग्राम पंचायत में जाकर अपने आवेदन की स्थिति और उस पर की गई कार्यवाही के बारे में जान सकते हैं। हितग्राहियों के लिए महतारी वंदन योजना के ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन पत्र की स्थिति ज्ञात करने की सुविधा दी गई है। हितग्राही अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या आधार नंबर दर्ज कर अपने आवेदन की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महतारी वंदन योजना के लिए DBT वाला बैंक खाता कैसे चालू करें

वर्तमान में देखा गया है कि कई महिलाओं के खातों में डीबीटी एक्टिव नहीं है। इसके लिए क्या करना है यह भी हितग्राहियों को पता नहीं है। बैंक खाते में डीबीटी एक्टिव करने के लिए पहले अपनी बैंक शाखा में जाएं। उस बैंक से DBT शुरू करने वाला फॉर्म भरकर अपने बैंक पासबुक और आधार कार्ड का छायाप्रति लगाकर बैंक में जमा करना होगा। बैंक में फॉर्म को जमा करने के बाद बैंक द्वारा आपके खाते में डीबीटी एक्टिव कर दिया जाएगा।

जिले में यातायात व्यवस्था दुरूस्त करने कलेक्टर चौधरी एक्शन मोड पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर एवं कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज जिला प्रशासन, निगम प्रशासन और यातायात अधिकारी व व्यापारियां के साथ इंदिरा मार्केट क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से इंदिरा मार्केट क्षेत्र के पार्किंग व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

कलेक्टर ने इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैण्ड से होते हुए मोती कॉम्पलेक्स होकर गांधी चौक से लेकर इंदिरा मार्केट पार्किंग क्षेत्र सहित स्टेशन रोड मार्केट क्षेत्र का अवलोकन किया। क्षेत्र के व्यापारियों से रू-ब-रू होकर उनकी समस्याएं सुनी।

चर्चा के दौरान व्यापारियों ने बताया कि मार्केट क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था एक प्रमुख समस्या है। इसके अलावा उन्होंने पानी निकासी की समस्या से भी अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर ने उन्हें जल्द ही उनकी समस्याओं से

निजात दिलाने की बात कही। कलेक्टर ने पार्किंग व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों को व्यस्तम क्षेत्रों का चिन्हांकन कर कार्ययोजना बनाकर कार्य करने हेतु निर्देश दिए। थे। पुराना बस स्टैंड स्थित पशुपालन कार्यालय के पास और सीएसपी कार्यालय क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था के लिए निर्देशित किया। सड़क किनारे अवैध ठेला लगाने वालों पर जुर्माना किये जाने की बात कही। पीडब्ल्यूडी के जितने भी कार्य बचे हुए है उन्हें जल्द करवाने के लिए संबधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

सड़क घेरने वालां पर कार्यवाही करें, अतिक्रमण को हटवाने के निर्देश भी दिये। इस दौरान दुर्ग नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर, एएसपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर, राजस्व विभाग के अधिकारीगण एवं व्यापारीगण मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950